संस्थापक : स्व. श्री वीर विक्रम आदित्य

स्थापना वर्ष : 2002

हिन्द जनपथ

पंचकूला
गुरुवार
29 जनवरी, 2026
वर्ष:24 अंक: 216
कुल पृष्ठ:08
मूल्य : 1 रुपया

खबरें छापते हैं छुपाते नहीं | दैनिक प्रभात संस्करण हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड एवं उत्तर प्रदेश से एक साथ प्रकाशित। | www.hindjanpath.com

माता मनसा देवी मंदिर को आस्था के साथ-साथ आकर्षण का केंद्र भी बनाया जाए: विपुल गोयल

पेज-8

मोटी-मोटी बातें

भट्ठल के खुलासे ने कांग्रेस का असली चेहरा किया बेनकाब: बलतेज पन्नू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। आम आदमी पार्टी (आप) पंजाब के प्रदेश महासचिव और मीडिया इंचार्ज बलतेज सिंह पन्नू ने पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता बीबी राजिंदर कौर भट्ठल की एक इंटरव्यू का हवाला देते हुए गंभीर सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने कहा कि इस खुलासे ने परंपरागत पार्टियों का असली चेहरा लोगों के सामने ला दिया है।

बलतेज सिंह पन्नू ने बताया कि वे बीबी भट्ठल की एक इंटरव्यू सुन रहे थे जिसमें भट्ठल ने खुद माना कि जब वे मुख्यमंत्री थीं और चुनाव आए तो उन्हें पार्टी के कुछ सलाहकारों और नेताओं ने सलाह दी कि बसों और सार्वजनिक स्थानों पर बम धमाके करवा दिए जाएं ताकि सरकार दोबारा बन सके।

पन्नू ने कहा कि यह बेहद संगीन और हैरान करने वाला खुलासा है। उन्होंने मांग की कि बीबी भट्ठल को तुरंत बताना चाहिए कि कांग्रेस के वे कौन से नेता और सलाहकार थे जिन्होंने ऐसी घिनौनी सलाह दी थी। 'आप' नेता ने कहा कि यह बयान साफ करता है कि पिछले समय में परंपरागत पार्टियां किस तरह आम लोगों की जानें दांव पर लगाकर अपनी सरकारें बनाती और दोहराती रही हैं। यह पंजाब के लोगों के साथ धोखा है।

दक्षिण कोरिया में बड़ा फैसला, पूर्व प्रथम महिला किम कियॉन ही को 20 महीने की जेल

सियोल: दक्षिण कोरियाई अदालत ने बुधवार को पूर्व प्रथम महिला किम कियॉन ही को भ्रष्टाचार के मामले में 20 महीने की जेल की सजा सुनाई। यह सजा ऐसे समय सुनाई गई है जब पूर्व राष्ट्रपति यून सुक येओल द्वारा पिछले साल लगाए गए मार्शल लॉ के मामले में अदालत अपना फैसला सुनाने वाली है।

'सियोल सेंट्रल डिस्ट्रिक्ट कोर्ट' ने किम को 'यूनिफिकेशन चर्च' से व्यापारिक सुविधाओं के बदले रिश्वत लेने के आरोप में दोषी ठहराया और 20 महीने की जेल की सजा सुनाई। अदालत तीन हफ्ते बाद सुक येओल को लेकर अपना फैसला सुनाएगी।

संस्कृत के छात्र 10वीं के बाद साढ़े सात साल में बनेंगे आयुर्वेदिक चिकित्सक

नयी दिल्ली- संस्कृत भाषा में शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्र अब 10वीं कक्षा के बाद साढ़े सात साल के नये पाठ्यक्रम में प्रवेश लेकर आयुर्वेदिक चिकित्सक बन सकेंगे। यह पाठ्यक्रम संस्कृत के प्रतिभाशाली छात्रों को आयुर्वेदिक चिकित्सक बनाने के साथ प्राचीन आयुर्वेद चिकित्सा का संस्थागत रूप से स्थापित करने का प्रयास है।

यह जानकारी मंगलवार को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.श्रीनिवास वरखेड़ी और राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा पद्धति आयोग (एनसीआईएसएम) की अध्यक्ष डॉ. मनीषा कोठेकर ने आयुर्वेद गुरुकुल संबद्धता पोर्टल और आयुर्वेद गुरुकुलों हेतु विस्तृत दिशा-निर्देशों के औपचारिक शुभारम्भ के अवसर पर दी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली स्थित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सारस्वत सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पोर्टल एवं दिशा-निर्देशों का विमोचन किया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय इस पाठ्यक्रम के लिये नोडल एजेंसी रूप में कार्य करेगा। जिसमें इस पोर्टल के माध्यम से देशभर की संस्थायें आयुर्वेद गुरुकुलम् के लिये ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे।

लाला लाजपत राय के जन्म स्थल ढुड्डीके को मॉडल गांव के रूप में विकसित किया जाएगा: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान

- ढुड्डीके में सीवरेज, तालाब, खेल मैदान और सभी बुनियादी ढांचे को किया जाएगा अपग्रेड: मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान
- पिछली सरकारों ने लाला जी के जन्म स्थल के विकास के लिए केवल योजनाएं बनाईं; हम ज़मीनी स्तर पर काम

हिन्द जनपथ
मोगा(ब्यूरो)। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज घोषणा की कि लाला लाजपत राय के जन्म स्थल ढुड्डीके को पूर्ण रूप से एक मॉडल गांव में तब्दील किया जाएगा, जहां सीवरेज, तालाब, खेल मैदान सहित सभी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ किया जाएगा। 71वें लाला लाजपत राय जन्म दिवस खेल मेले को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछली सरकारें केवल कागज़ी योजनाएं बनाती रहीं, जबकि उनकी सरकार ने राज्य के विकास के लिए एक वर्ष के भीतर ज़मीनी स्तर पर काम कर दिखाया है।

भगवंत सिंह मान ने वादा किया कि वे लाला जी के अगले जन्मदिवस पर इन सभी परियोजनाओं के पूर्ण होने के बाद पुनः यहां आएंगे। सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल को एक ओर रखते हुए, जनता से अपनी गहरी जुड़ाव को दर्शाते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज यहां गांववासियों के साथ ग्रामीण खेल मेले के दौरान पंजाब केसरी लाला लाजपत राय की स्मृति में आयोजित कबड्डी और हॉकी टूर्नामेंट का आनंद लिया।

मुख्यमंत्री ने युवाओं के साथ सेल्फी लेते हुए और बुजुर्गों से आशीर्वाद ग्रहण करते हुए कहा, "मैं एक आम व्यक्ति हूं और अपने भाइयों तथा बुजुर्गों के साथ इस ग्रामीण खेल मेले को देखने आया हूं, जो हमारी आत्मा का हिस्सा है। अपने लोगों के साथ मिलकर मुझे अत्यंत खुशी मिलती है।"

इस दौरान रोमांचक कबड्डी मुकाबले को देखने पहुंचे दर्शकों से मिलते हुए मुख्यमंत्री ने सुरक्षा प्रोटोकॉल को दरकिनार कर खिलाड़ियों से व्यक्तिगत रूप से हाथ मिलाया, जो जनता के साथ उनके गहरे जुड़ाव को दर्शाता है। इस अवसर पर भीड़ ने जोरदार तालियों के साथ उनका स्वागत किया।

उन्होंने कहा, "यह आयोजन पंजाब के महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय के जन्मदिवस की स्मृति में आयोजित टूर्नामेंट का हिस्सा है।" उन्होंने कहा कि भारतीय स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाने वाले इस महान राष्ट्रवादी की विरासत युवाओं को सदैव प्रेरित करती रहेगी।

पारंपरिक लोक संगीत और उत्सवपूर्ण माहौल के बीच जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि "पंजाब की देसी खेलों को और मज़बूत करना समय की आवश्यकता है।" उन्होंने कहा कि "कबड्डी, बैलगाड़ी दौड़ और अन्य पारंपरिक खेल केवल खेल नहीं, बल्कि

हमारी समृद्ध संस्कृति और विरासत का अभिन्न अंग हैं।" भगवंत सिंह मान ने कहा, "ये खेल पंजाबियों की भावना, शक्ति और एकता को दर्शाते हैं और पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ते आए हैं।"

खेलों को बढ़ावा देने के प्रति राज्य सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार खेल क्षेत्र में पंजाब की प्राचीन शान को पुनः स्थापित करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पारंपरिक खेल एक बार फिर फले-फूले और गांवों के युवाओं को आगे बढ़ने का मंच मिले। मुख्यमंत्री ने लोगों को कीला रायपुर में आयोजित होने वाले प्रतिष्ठित मिनी ओलंपिक में भाग लेने का निमंत्रण देते हुए बताया कि ये खेल 31 जनवरी से शुरू होंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि 16 वर्षों के बाद बैलगाड़ी दौड़ों का दोबारा शुरू होना इस आयोजन का मुख्य आकर्षण होगा। उन्होंने कहा कि यह हमारी समृद्ध परंपराओं को पुनर्जीवित करने और पंजाब की खेल विरासत को मनाने का सुनहरा अवसर होगा। उन्होंने घोषणा की कि गांव ढुड्डीके की पंचायत द्वारा उठाई गई सभी मांगों को तुरंत पूरा किया जा रहा है, जिनमें नई सीवरेज लाइन बिछाना, गांव के तालाब का नवीनीकरण, एक आधुनिक खेल मैदान का विकास तथा जीवन स्तर को ऊंचा उठाने के लिए अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाएं शामिल हैं।

पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सबसे बड़े स्वास्थ्य सुधार कार्यक्रम के रूप में मुख्यमंत्री स्वास्थ्य योजना को पूरे पंजाब में लागू किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत अब प्रत्येक पंजाबी परिवार को 10 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज मिलेगा। पहले यह सीमा 5 लाख रुपये थी, जिसे बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दिया गया है।

पुणे के बारामती में विमान हादसा, डिप्टी सीएम अजित पवार समेत पांच लोगों की मौत

मुंबई : पुणे जिले में बुधवार सुबह विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि यह घटना उस वक्त हुई जब अजित पवार (66) का विमान पुणे के बारामती इलाके में उतर रहा था। 'फ्लाइट रडार' के अनुसार, विमान ने मुंबई से सुबह आठ बजकर 10 मिनट पर उड़ान भरी और सुबह करीब आठ बजकर 45 मिनट पर यह रडार की पहुंच से गायब हो गया।

पवार राज्य में पांच फरवरी को होने वाले जिला परिषद चुनाव के प्रचार अभियान के तहत जनसभाओं को संबोधित करने के लिए मुंबई से बारामती जा रहे थे। पुलिस अधिकारी ने बताया कि विमान सुबह आठ बजकर 50 मिनट पर दुर्घटनाग्रस्त हुआ। घटना के वक्त उसमें पांच लोग सवार थे। पुलिस अधीक्षक संदीप सिंह गिल ने बताया कि दुर्घटना के बाद विमान में आग लग गई।

उन्होंने कहा, ''विमान में सवार सभी लोगों को तुरंत अस्पताल ले जाया गया।'' एक सूत्र ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि पायलट ने विमान को उतारने का प्रयास करने से पहले हवाई पट्टी के पास खराब दृश्यता के बारे में बताया था।

सूत्रों के अनुसार, 'बॉम्बार्डियर एयरोस्पेस' के 'लेयरजेट डिवीजन' द्वारा निर्मित मध्यम आकार का बिजनेस जेट विमान 'लेयरजेट 45' (एलजे45) बारामती हवाई अड्डे पर उतरने का प्रयास करते समय रनवे से उतर गया और उसमें आग लग गई।

पवार के परिवार में उनकी पत्नी सुनेत्रा और दो बेटे पार्थ और जय हैं। सुनेत्रा राज्यसभा सदस्य हैं। हाल में पुणे और पिंपरी चिंचवड में हुए नगर निगम चुनाव में पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने शरद पवार की राकांपा (शप) के साथ गठबंधन करके चुनाव लड़ा था।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार की मृत्यु पर बुधवार को शोक जताते हुए कहा कि उनका असामयिक निधन एक अपूरणीय क्षति है। राष्ट्रपति ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर कहा कि पवार को महाराष्ट्र के विकास खासकर सहकारी क्षेत्र में उनके विशेष योगदान के लिए हमेशा याद किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि बुधवार सुबह पुणे जिले में विमान दुर्घटना में पवार और चार अन्य लोगों की मौत हो गई। उन्होंने पोस्ट में लिखा , ''महाराष्ट्र के बारामती में एक विमान दुर्घटना में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री, श्री अजित पवार समेत कई लोगों की मृत्यु का समाचार अत्यंत दुखद है।

कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी ने आगामी बजट को लेकर अधिकारियों के साथ की बैठक

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा की सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रीमती श्रुति चौधरी ने अगामी बजट को लेकर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक कर विभाग द्वारा अब तक किए गए कार्यों, बजट के उपयोग और भविष्य की योजनाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

श्रीमती श्रुति चौधरी ने अधिकारियों से दिसंबर महीने तक खर्च हुए बजट की पूरी जानकारी ली और यह भी समीक्षा की कि अभी जो बजट शेष बचा है, उसका सही और प्रभावी तरीके से कैसे उपयोग किया जाएगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि सरकार का उद्देश्य यह है कि हर रुपये का उपयोग जनता के हित में हो और कोई भी राशि छूट न जाए।

उन्होंने अधिकारियों को कहा कि जो नया बजट आने वाला है, उसका नियोजन पहले से ही ठीक तरह से किया जाए, ताकि सिंचाई परियोजनाओं, नहरों की मरम्मत, जल संरक्षण और किसानों से जुड़े कार्यों को समय पर पूरा किया जा सके। सभी योजनाएं जमीन पर दिखाई देनी चाहिए, सिर्फ कागजों में सीमित नहीं रहनी चाहिए। श्रीमती श्रुति चौधरी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे पूरी ईमानदारी और जिम्मेदारी से अपने कार्य करें। यदि कोई अधिकारी अपने दायित्वों का सही तरीके से निर्वहन नहीं करता है तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री ने कहा कि विभाग किसानों और प्रदेश की अर्थव्यवस्था से सीधे जुड़ा हुआ है, इसलिए इसमें किसी भी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सरकार की प्राथमिकता है कि जल संसाधनों का बेहतर प्रबंधन हो, सिंचाई सुविधाएं मजबूत हों और किसानों को समय पर पानी उपलब्ध कराया जा सके।

उन्होंने अधिकारियों से आपसी समन्वय बनाकर काम करने, फील्ड में जाकर योजनाओं की वास्तविक स्थिति देखने और जनता की समस्याओं को प्राथमिकता के आधार पर हल करने के भी निर्देश दिए। इस अवसर पर विभाग के सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री अनुराग अग्रवाल सहित विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

अभिभाषण में बोलीं राष्ट्रपति मुर्मू, 'सबका साथ, सबका विकास' का दृष्टिकोण ला रहा बदलाव

नयी दिल्ली: राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के दौरान विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा जब देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त् कर दिया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने इसके साथ ही कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। संसद के बजट सत्र की शुरुआत में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए मुर्मू ने कहा, ''भारत ने सिद्ध किया है कि शक्ति का प्रयोग उत्तरदायित्व और विवेक के साथ किया जा सकता है। ऑपरेशन सिंदूर से विश्व ने भारतीय सेना का शौर्य और पराक्रम देखा है। हमारे देश ने अपने संसाधनों के बल पर आतंकियों के अड्डों को ध्वस्त् कर दिया।''

उन्होंने कहा, ''सरकार ने कड़ा संदेश दिया कि भारत पर किसी भी आतंकी हमले का जवाब दृढ़ और निर्णायक होगा। सिंधु जल समझौते को स्थगित किया जाना भी आतंकवाद के विरुद्ध हमारी लड़ाई का हिस्सा है। देश की रक्षा व्यवस्था को और मजबूत बनाने के लिए मिशन सुदर्शन चक्र पर भी काम हो रहा है।''

मुर्मू ने विकसित भारत का संकल्प, भारत की सुरक्षा, आत्मनिर्भरता, स्वदेशी का अभियान, एकता के लिए प्रयास, स्वच्छता, राष्ट्र से जुड़े ऐसे विषयों पर, सांसदों से एकमत होने का आह्वान करते हुए कहा, ''विभिन्न मतों, अलग-अलग विचारों के बीच, यह सर्वमान्य है कि राष्ट्र से बड़ा कुछ नहीं है।''

उन्होंने महात्मा गांधी, जवाहरलाल नेहरू, बाबा साहेब आंबेडकर, सरदार वल्लभभाई पटेल, जयप्रकाश नारायण, राम मनोहर लोहिया, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी को याद करते हुए कहा कि इन सभी नेताओं का यह मत रहा कि लोकतंत्र में विषयों पर मतभेद होना स्वाभाविक है, लेकिन कुछ विषय मतभेदों से परे हैं।

उन्होंने कहा, ''हमारे संविधान की भावना भी यही है।'' राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान संसद की संयुक्त बैठक में उप राष्ट्रपति सी पी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, जे पी नड्डा, निर्मला सीतारमण, किरेन रिजिजू सहित विभिन्न केंद्रीय मंत्री, सपा प्रमुख अखिलेश यादव, तृणमूल नेता महुआ मोइत्रा सहित विपक्षी दलों के कई नेता तथा सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के विभिन्न सांसद मौजूद थे।

शताब्दी के लगभग एक चौथाई हिस्से के समाप्त होने का जिक्र करते हुए मुर्मू ने कहा, ''वर्ष 2026 के साथ ही हमारा देश इस सदी के दूसरे पड़ाव पर पहुंच गया है। भारत के लिए, सदी के पहले 25 वर्षों का समापन अनेक सफलताओं, गौरवशाली उपलब्धियों और असाधारण अनुभवों के साथ हुआ है।''

उन्होंने कहा, ''बीते 10-11 वर्षों में भारत ने हर क्षेत्र में अपनी नींव मजबूत की है। ये वर्ष 2047 तक विकसित भारत की तेज यात्रा का बहुत बड़ा आधार हैं।'' लोकसभा कक्ष में अपने लगभग एक घंटे के अभिभाषण में मुर्मू ने यह भी कहा कि सरकार की नीतियों के अनुरूप सुरक्षाबलों ने माओवादी आतंक पर भी निर्णायक कार्रवाई की है और माओवादी आतंक की चुनौती 126 जिलों से घटकर आठ जिलों तक सिमट गई है, जिनमें भी 3 जिले ही ऐसे हैं, जो गंभीर रूप से प्रभावित हैं।

उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के लिए विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा अधिसूचित नए विनियम पर कुछ वर्गों की आपत्तियों की पृष्ठभूमि में राष्ट्रपति ने कहा कि केंद्र सरकार सच्चे सामाजिक न्याय के लिए समर्पित है तथा 'सबका साथ, सबका विकास' का दृष्टिकोण हर नागरिक के जीवन में बदलाव ला रहा है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में हुई एचपीडब्ल्यूसी बैठक, 127.87 करोड़ रुपये की शहरी अवसंरचना परियोजनाओं को मिली मंज़ूरी

बैठक में लगभग 8.77 करोड़ रुपये की हुई बचत

मुख्यमंत्री ने शहरी अवसंरचना परियोजनाओं की गुणवत्ता और समयबद्धता पर दिया जोर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में बुधवार को हरियाणा निवास में शहरी स्थानीय निकाय विभाग की हाई-पावर्ड वर्क्स कमेटी (एचपीडब्ल्यूसी) की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक के दौरान, प्रदेशभर में प्रमुख शहरी अवसंरचना और विकास परियोजनाओं से संबंधित प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में शहरी स्थानीय निकाय मंत्री श्री विपुल गोयल भी मौजूद रहे।

बैठक में कुल लगभग 136.64 करोड़ रुपये की 3 निविदाओं पर विचार किया गया, जबकि चौथी परियोजना के लिए पुनः निविदा आमंत्रित करने के निर्देश दिए गए। इन तीनों निविदाओं में बोलीदाताओं के साथ विस्तृत बातचीत के उपरांत कार्यों की लागत लगभग 127.87 करोड़ रुपये निर्धारित की गई, जिससे इस पारदर्शी प्रक्रिया के माध्यम से लगभग 8.77 करोड़ रुपये की बचत सुनिश्चित हुई।

मंजूर की गई परियोजनाओं में अमृत योजना के तहत फरीदाबाद शहर में नागरिक सुविधाओं और इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी वाले क्षेत्रों में पानी की आपूर्ति प्रणाली प्रदान करने के लिए निविदा और अंबाला शहर नगर निगम में सड़कों की मशीनीकृत और मैनुअल सफाई का काम शामिल है, जिसका उद्देश्य सफाई व्यवस्था को दुरुस्त करना और शहरी स्वच्छता में सुधार करना है। इसके अलावा, बैठक में गुरुग्राम में श्री माता शीतला देवी मंदिर परिसर के पुनर्विकास के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवाओं, इलेक्ट्रिकल, एचवीएसी और अग्निशमन प्रणालियों से संबंधित शेष कार्यों को भी मंजूरी दी गई।

बैठक के दौरान, मुख्यमंत्री ने परियोजनाओं को समय पर पूरा करने और गुणवत्ता मानकों का सख्ती से पालन करने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि शहरी बुनियादी ढांचे को सुदृढ़ करने, सेवा वितरण को अधिक प्रभावी बनाने और सार्वजनिक कार्यों में पूर्ण पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव श्री अरुण कुमार गुप्ता, अतिरिक्त प्रधान सचिव और आयुक्त एवं सचिव, शहरी स्थानीय निकाय डॉ. साकेत कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अजीत पवार के निधन पर शोक व्यक्त किया

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने आज सुबह महाराष्ट्र के बारामती में हुए विमान हादसे में महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार के आकस्मिक निधन पर शोक व्यक्त किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजीत पवार एक अनुभवी राजनेता थे और उन्होंने महाराष्ट्र के विकास के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया, जिसे सदैव याद रखा जाएगा। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर राज्यपाल ने किया शोक व्यक्त

शिमला। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल ने महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार के बारामती, महाराष्ट्र में विमान लैंडिंग के दौरान हुए हादसे में निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है। इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए राज्यपाल ने कहा कि राजनीति के वरिष्ठ और अनुभवी नेता के आकस्मिक निधन से पूरा देश स्तब्ध है। राज्यपाल ने ईश्वर से दिवंगत की आत्मा की शांति और शोक संतप्त परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि अजीत पवार का असामयिक निधन न केवल महाराष्ट्र के लोगों के लिए, बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है और समाज सेवा में उनके योगदान को सदैव याद किया जाएगा।

विधान सभा अध्यक्ष ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया

शिमला। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने आज महाराष्ट्र राज्य के बारामती (पुणे) में एक विमान के दुर्घटनाग्रस्त होने पर गहरा शोक प्रकट किया है। गौरतलब है कि आज सुबह इस विमान ने मुम्बई से पुणे के लिए उड़ान भरी थी लेनिक दुर्भाग्यवश यह विमान बारामती में लैंडिंग के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया इसमें सवार सभी लोगों की मौके पर ही मृत्यू हो गई थी। मृतकों में महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार भी शामिल थे। हिमाचल प्रदेश विधान सभा अध्यक्ष कुलदीप सिंह पठानियां ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजीत पवार तथा अन्य सवार यात्रियों के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया है। अपने शोक सन्देश में विधान सभा अध्यक्ष ने कहा कि यह एक हृदय विदारक दुर्घटना थी । उन्होने कहा कि इस दुर्घटना में जिन परिवारों को क्षति हुई है उसकी भरपाई नहीं की जा सकती जबकि उपमुख्यमंत्री अजीत पवार के निधन से महाराष्ट्र ने एक होनहार, कर्तव्यनिष्ठ तथा राष्ट्रीय नेता खो दिया है जिसकी भरपाई करना नामुमकिन है। पठानियां ने कहा कि अजीत पवार शरद पवार के पारिवारिक सदस्य थे। विधान सभा अध्यक्ष ने दुर्घटना में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की है तथा दिवंगत आत्माओं की शान्ति की प्रार्थना की है।

डिब्बा बन्द वस्तुओं की खरीद के समय उस पर दर्शाई गई मात्रा की जांच आवश्यक

शिमला। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के एक प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि विभाग पैकेज्ड खाद्य तेल (रिफान्ड व सरसों) की खरीद के संबंध में उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए उन्हें जागरूक कर रहा है। उपभोक्ताओं की जानकारी हेतु यह स्पष्ट किया जाता है कि निर्माता/पैकर किसी भी मात्रा में तेल व अन्य तरल पदार्थ पैक कर सकता है। पूर्व में तेल के पैकेट कुछ निश्चित (मानक) मात्रा में ही पैक किये जा सकते थे, किन्तु विधिक माप विज्ञान (डिब्बा बन्द वस्तुए) नियम, 2011 के द्वितीय खण्ड को भारत सरकार द्वारा निरस्त किये जाने के उपरान्त निर्माता/पैकर किसी भी मात्रा में तेल को पैक कर सकता है। किसी भी प्रकार की डिब्बा बन्द वस्तुओं को क्रय करते समय उस पर दर्शाई गई मात्रा की जांच अवश्य करें। उन्होंने बताया कि कुछ समाचार-पत्रों में उचित मूल्य की दुकानों पर कम वज़न के रिफाईन्ड तेल के सन्दर्भ में समाचार प्रकाशित हुआ था। प्रदेश भर में विधिक माप विज्ञान अधिकारियों द्वारा निरीक्षण करने पर पाया गया कि कुछ उपभोक्ता तरल पदार्थों के डिब्बों/पैकेट पर मुद्रित आयतन और वज़न के अंतर को लेकर भ्रम की स्थिति में रहते है। आमतौर पर तेल के पैकट पर एक निश्चित तापमान पर आयतन (मिलीलीटर या लीटर) या वज़न अंकित किया जाता है। जहां मात्रा आयतन में घोषित की जाती है, वहां वस्तु का वज़न भी बताया जाना अनिवार्य है। इसलिए उपभोक्ताओं को विधिक माप विज्ञान अधिनियम, 2009 और विधिक माप विज्ञान (डिब्बा बन्द वस्तुए) नियम, 2011 के तहत निर्धारित अन्य वैधानिक विवरणों शुद्ध मात्रा, निर्माता/पैकर का नाम और पता, पैकिंग का माह और वर्ष, अधिकतम खुदरा मूल्य, उपभोक्ता शिकायत/सहायता विवरण और उपयोग करने की अंतिम तिथि की भी जांच करने की सलाह दी जाती है। प्रवक्ता ने कहा कि सभी मानक डिब्बा बन्द वस्तुओं पर स्पष्ट, पढ़ने योग्य और आसानी से दिखाई देने चाहिए। उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि ऐसे डिब्बों/पैकेट लेते समय आयतन व वजन की सही जांच कर व वस्तु को तोल कर अवश्य देखें। यदि उपभोक्ताओं को कोई भी जानकारी अस्पष्ट, अनिवार्य जानकारी न होने या मात्रा या कीमत के बारे में कोई संदेह दिखाई देता है, तो उन्हें उचित कार्यवाही के लिए नेशनल कंज्यूमर हेल्पलाइन (एनसीएच), टोल फ्री नंबर 1800-11-4000 या 1915, तथा सीएम संकल्प हेल्पलाइन 1100 के माध्यम से शिकायत दर्ज करने की सलाह दी जाती है।

29 व 30 जनवरी को विद्युत आपूर्ति बाधित

सोलन । हिमाचल प्रदेश राज्य विद्युत बोर्ड सोलन से प्राप्त जानकारी के अनुसार आवश्यक रखरखाव के दृष्टिगत 29 व 30 जनवरी, 2026 को विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। यह जानकारी वरिष्ठ अधीक्षण अभियंता सोलन राहुल वर्मा ने दी। राहुल वर्मा ने कहा कि 29 जनवरी व 30 जनवरी को प्रातः 10 बजे से प्रातः 10.30 तथा सांय 05.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 33 के.वी. कथेड़ फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों मॉल रोड़, अप्पर बाज़ार, पुराना उपायुक्त कार्यालय, आनंद कॉपलेक्स, न्यायालय परिसर, पी.डब्ल्यू.डी. कॉलोनी, सन्नी साइड, विवांता मॉल, चिल्ड्रन पार्क, पुस्तकालय, क्षेत्रीय अस्पताल, अस्पताल मार्ग, फ्लाई, बेल, जबलाटी, हॉटमिक्स के आस-पास के क्षेत्र, सेवला, बरड बस्ती, तरन तारन, विनसम होटल, कोधारी, कोठी, बजरोल, शामती, आफिसर कॉलोनी, मिनी सचिवालय, लक्कड़ बाज़ार, गंज बाज़ार, शिल्ली मार्ग, मोहन कॉलोनी, मधुबन कॉलोनी, हरि मंदिर क्षेत्र, राजगढ़ मार्ग, नगर निगम क्षेत्र, रेनॉल्ट शोरूम एवं आस-पास का क्षेत्र, चौक बाज़ार, सर्कुलर मार्ग, पुराना बस अड्डा, सेंट ल्यूक्स, अम्बुशा होटल, चेस्टर हिल्स, अमित अपार्टमेंट, सुंदर सिनेमा, जौणाजी मार्ग, ठोडो मैदान क्षेत्र, जे.बी.टी. मार्ग, नया बस अड्डा, घडयाल, शिरी, दयोली की सेर, पोकन, बाड़ा, आंजी सलूमणा, ब्लेसिंग हेल्थ केयर, डी.आई.सी. कॉलोनी, मेहर सिंह कॉलोनी, बेर की सेर, जराश एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि 29 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 से सांय 05.30 बजे तक तथा 30 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. राजगढ़ फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों न्यू कथेड़, पुलिस लाईन, कारागार, सब्जी मण्डी, बी.एस.एन.एल. कॉलोनी, आयकर विभाग, उप कारागार एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि 29 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 से सांय 05.30 बजे तक तथा 30 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. हिमाचल कंडक्टर एवं सराहां फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों खुंडीधार, साईं मंदिर, शामती, क्वागड़ी, शियोथल, मैरिडियन, डमरोग, धरांजटी, बदखोर, चिल्ला, बागड़, आंजी, बलाणा, शिव मंदिर के समीप न्यू कथेड़, काली माता मंदिर, शामती गांव के क्षेत्र एवं आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि 29 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. सोलन नम्बर 02 फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों न्यू कथेड़, 132 के.वी. उप केन्द्र के समीप, क्लीन, हाउसिंग बोर्ड, डिग्री कॉलेज, साईंटिस्ट कॉलोनी, कोटला नाला, तहसील कार्यालय, धोबीघाट, डाईट, खलीफा लॉज, पाजो, टैंक रोड, फोरेस्ट रोड, चौरीघाटी, सेरी, गलानग, खनोग, मतियूल और आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि 29 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. शिवालिक फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों मैसर्ज़ शिवालिक बाईमेटल कंटोल प्राईवेट लिमिटिड चम्बाघाट में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि 29 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. चम्बाघाट फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों एच.आर.टी.सी. वर्कशॉप, सेंटर प्राईम मॉल, गरीब बस्ती, हिमाचल प्रदेश लोक निर्माण विभाग विश्राम गृह, चम्बाघाट चौक के कुछ क्षेत्र, बसाल मार्ग, बावरा, सूर्य किरण कॉलोनी, कथार, बसाल, कालाघाट, हाउसिंग बोर्ड बसाल, सेरी, पट्टी, धाला, डांगरी, गारा, धरोट, ज्यून, आंजी शलूमणा और आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि 30 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. एक्सप्रेस फीडर चम्बाघाट के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों चम्बाघाट औद्योगिक क्षेत्र चम्बाघाट तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। उन्होंने कहा कि 30 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. कण्डाघाट फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों ब्रूरी, कथोग, दधोग, दाउंसी, सलोगड़ा, मनसार, शिवालय मंदिर, पडग, कोठों, मेला मैदान, हरट, आई.पी.एच. 1, 2 व 3 स्टेज ग्राणी, नेरी, जोखड़ी, मठिया, गलूथ, टिक्कर, गण की सेर, कोणार्क होटल के समीप का क्षेत्र, जराश, बसाल रोड पर स्थित एस.बी.आई. बैंक, मेहर कॉलोनी के कुछ क्षेत्र, चम्बाघाट गुरूद्वारा से उपर का क्षेत्र, प्राथमिक विद्यालय के समीप पार्वती निवास तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि 30 जनवरी, 2026 को प्रातः 10.00 बजे से सांय 05.30 बजे तक 11 के.वी. डब्ल्यू.एस.एस. फीडर के अंतर्गत आने वाले क्षेत्रों एन.आर.सी.एम., करोल बिहार, बेर पानी, बेर गांव, बेर खास, फोरोस्ट कॉलोनी, चम्बाघाट चौक, हिमालयन पाइप, दामकड़ी, जौणाजी, सेर चिराग, कोटला, मशीवर, दयारग बुघार, रोमी बस्सी, हदेची, शेरपा रिसोर्ट, बालूघाटी, बायला, चंगर, शिल्ली, फशकना, अश्वनी खड्ड, बजलोग, शिल्ली स्थित आई.पी.एच. योजनाएं, रिधिधार, कनाह बजनाल, नडोह, उपायुक्त आवास तथा आस-पास के क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उन्होंने कहा कि खराब मौसम एवं किन्हीं अपरिहार्य कारणों से उक्त तिथि व समय में परिवर्तन किया जा सकता है। राहुल वर्मा ने कहा कि हालांकि 33 के.वी. कण्डाघाट फीडर के माध्यम से वैकल्पिक रूप से विद्युत आपूर्ति आरम्भ है किंतु फिर भी आवश्यकतानुसार ओवरलोडिंग के दृष्टिगत अन्य क्षेत्रों में भी विद्युत आपूर्ति बाधित की जा सकती है। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की है।

डॉ. शांडिल ने किया स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ

सोलन । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने गत सायं ज़िला प्रशासन तथा हिमाचल फोटो गैलरी ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी पर आधारित प्रदर्शनी का शुभारंभ किया।

यह प्रदर्शनी नगर निगम सोलन के हॉल में 27 जनवरी से 31 जनवरी, 2026 तक प्रदर्शित की जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने आयोजकों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रदर्शनी में हिमाचल विशेषकर सोलन ज़िला के स्वतंत्रता सेनानियों के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान और इतिहास विषय में जानकारी दी गई है।

उन्होंने कहा कि जन मानस इस प्रदर्शनी से हिमाचल तथा सोलन के स्वतंत्रता सेनानियों के स्वतंत्रता संग्राम में दिए गए योगदान से रू-ब-रू हो सकेंगे। उन्होंने जिला वासियों विशेष कर युवाओं से इस प्रदर्शनी को देखने और ज्ञान अर्जित करने का आग्रह किया। हिमाचल फोटो गैलरी ट्रस्ट के अध्यक्ष अंशुक अत्री ने कहा कि प्रदर्शनी में सुकेत सत्याग्रह, कुनिहार प्रजामण्डल, बाबू कांशी राम, पंडित पदम देव, कुठार का आंदोलन, सोलन सभा 1948, सोलन के नायकों, भाई हृदयराम, धामी गोली कांड, पझौता आंदोलन, हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री स्व. डॉ. वाई.एस. परमार व अन्य स्वतंत्रता सेनानियों की जीवनी को भी प्रदर्शित किया गया है।

अंकुश अत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति इस निःशुल्क प्रदर्शनी का अवलोकन प्रातः 10 बजे से सायं 05 बजे तक नगर निगम हॉल सोलन में कर सकता है। इस अवसर पर ज़िला कांग्रेस के अध्यक्ष सुभाष चंद बरमानी, ग्राम पंचायत नौणी के प्रधान मदन हिमाचली, उपायुक्त सोलन मनमोहन शर्मा, नगर निगम सोलन की आयुक्त एकता कापटा, कांग्रेस वरिष्ठ नेता सुरेंद्र सेठी, नगर परिषद सोलन के पूर्व अध्यक्ष कुल राकेश पंत, संधीरा सीनू सिंह सहित हिमाचल फोटो गैलरी ट्रस्ट के डॉ. राजेन्द्र अत्री उपस्थित थे।

दिल्ली -शिमला -धर्मशाला उड़ानों के सुचारू संचालन हेतु राज्य सरकार हर साल देगी 31 करोड़

शिमला। राज्य में हवाई सेवाओं को मजबूत करने तथा पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ने दिल्लीदृशिमला और शिमला-धर्मशाला मार्गों पर नियमित हवाई सेवाओं का संचालन करने का निर्णय लिया है। यह उड़ानें सप्ताह भर संचालित होंगी और इनका निरंतर संचालन सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा हर साल 31 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में वर्तमान राज्य सरकार पर्यटन क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है और पर्यटकों की सुविधाएं बढ़ाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। उन्होंने कहा कि पर्यटन राज्य की अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने के साथ-साथ युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा कि इससे बेहतर हवाई सेवाओं पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और राज्य के समग्र आर्थिक विकास में सहायता मिलेगी। नियमित हवाई सेवाओं के संचालन से यात्रा का समय घटेगा और पर्यटकों, व्यापारियों तथा आम जनता के लिए सुगम आवागमन का साधन सुनिश्चित होगा।

उन्होंने कहा कि शिमला और धर्मशाला के लिए विश्वसनीय हवाई सेवाओं से प्रशासनिक कार्यप्रणाली को मजबूती मिलेगी तथा त्वरित मेडिकल इवैक्यूएशन में मददगार साबित होने के अलावा आपात स्थितियों और प्राकृतिक आपदाओं के दौरान समय पर प्रतिक्रिया सुनिश्चित होगी। हवाई सेवाओं के निरंतर संचालन के माध्यम से पर्यटन को बढ़ावा देने और दीर्घकालिक सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने में प्रदेश सरकार का यह कदम रणनीतिक साबित होगा। सब्सिडी आधारित क्षेत्रीय हवाई संपर्क से दैनिक यात्रियों, व्यापारिक यात्रियों और पर्यटकों को समान रूप से लाभ होगा। उन्होंने कहा कि राज्य में तीन संचालित हवाई अड्डों के अलावा कई हेलीपैड मौजूद हैं और प्रत्येक जिला मुख्यालय तथा अन्य प्रमुख पर्यटन स्थलों पर हेलीपोर्ट का निर्माण किया जा रहा है। हाल ही में संजौली हेलीपोर्ट से चंडीगढ़ और रिकांगपियो के लिए हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू की गई हैं, जिससे पर्यटक राज्य के प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सुगमता से पहुंच सकेंगे। इसके अतिरिक्त संजौली-रामपुर-रिकांगपियो तथा संजौली-मनाली (सासे हेलीपैड) पर भी शीघ्र हेलीकॉप्टर सेवाएं शुरू की जाएंगी। इन हवाई मार्गों के लिए नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) को मानक संचालन प्रक्रिया की स्वीकृति हेतु प्रस्ताव भेजे जा चुके हैं।

आपातकालीन सेवा (ईआरएसएस-112) में औसत रिस्पॉन्स टाइम के मामले में प्रदेश पुलिस देश में प्रथम स्थान पर

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने हिमाचल प्रदेश पुलिस द्वारा पिछले 24 घंटों के दौरान आपातकालीन सेवा (ईआरएसएस-112) के अंतर्गत औसत रिस्पॉन्स टाइम में पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने के लिए बधाई दी है। उन्होंने कहा कि यह असाधारण सफलता प्रदेश भर में तैनात ईआरएसएस-112 टीमों तथा पुलिस थानों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पेशेवर दक्षता, निष्ठा और उत्कृष्ट टीमवर्क का सशक्त प्रमाण है। उन्होंने कहा कि अत्यंत चुनौतीपूर्ण पर्वतीय भौगोलिक परिस्थितियों तथा सीमित संसाधनों के बावजूद प्रदेश पुलिस ने नागरिकों को सबसे तेज आपातकालीन सहायता प्रदान करके देश में नाम कमाया है।

ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने लोगों को सरकार द्वारा त्वरित सेवाएं उपलब्ध करवाने की वचनबद्धता को दोहराते हुए कहा कि भविष्य में भी 'स्पीड, सेंसिटिविटी और सर्विस' प्रदेश पुलिस का मार्गदर्शक मंत्र बना रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि केवल एक रैंकिंग नहीं है, बल्कि इस संकल्प की पुनः पुष्टि है कि जब भी हिमाचल प्रदेश का कोई नागरिक सहायता के लिए पुकारेगा, प्रदेश पुलिस देश में सबसे पहले उसके पास पहुंचेगी। उन्होंने कहा कि यह सफलता मूलतः एक संवेदनशील, उत्तरदायी और पेशेवर पुलिस बल की दूरदर्शी सोच का प्रतिफल है।

पुलिस महानिदेशक अशोक तिवारी ने कहा कि यह उपलब्धि सिद्ध करती है कि अनुशासित कार्यप्रणाली, तकनीक का बुद्धिमत्तापूर्ण उपयोग तथा सशक्त फील्ड-स्तरीय पर्यवेक्षण के माध्यम से सबसे कठिन भौगोलिक चुनौतियों पर भी विजय प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मुख्यमंत्री के कुशल नेतृत्व व मार्गदर्शन एवं अटूट सहयोग से संभव हो पाई है।

प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कृत संकल्प: डॉ. शांडिल

ग्राम पंचायत क्वारग में लगभग 56 लाख रुपए के विकास कार्यों के लोकार्पण

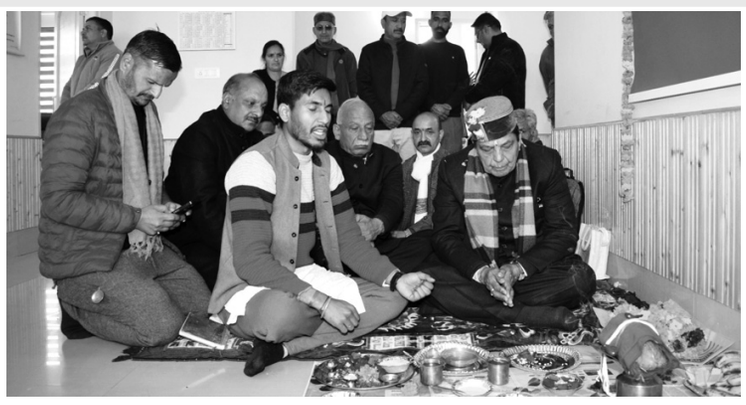

सोलन । स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता तथा सैनिक कल्याण मंत्री कर्नल डॉ. धनीराम शांडिल ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों के उत्थान के लिए कृत संकल्प है।

डॉ. शांडिल आज विकास खंड कंडाघाट की ग्राम पंचायत क्वारग में लगभग 56 लाख रुपए की लागत से विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण करने के उपरांत एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री ने ग्राम पंचायत क्वारग में 42 लाख रुपए की लागत से निर्मित पंचायत घर, देहूं में 05 लाख रुपए से निर्मित सामुदायिक हॉल, लगभग 03 लाख रुपए से निर्मित कोट से घरापड़ वाया शलाउं सम्पर्क मार्ग तथा 06 लाख रुपए से निर्मित किचन शैड क्वारग का लोकार्पण किया।

उन्होंने इस अवसर पर कोट से धरापड़ वाया शलाउं मार्ग को पक्का करवाने के लिए 10 लख रुपए देने की घोषणा की। डॉ. शांडिल ने कहा कि राज्य की 90 प्रतिशत आबादी ग्रामीण क्षेत्रों में रहती है और सरकार उनके जीवन को बेहतर बनाने के लिए प्रतिबद्धता से कार्य कर रही है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि विकास एक निरंतर प्रक्रिया है और प्रदेश सरकार यह सुनिश्चित बना रही है कि विकास के लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचें। उन्होंने कहा कि लोगों की मांग के अनुसार चरणबद्ध तरीके से क्षेत्र का और विकास करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि गत वर्षों में ग्राम पंचायत क्वारग में लगभग 02 करोड़ रुपए के विकास कार्य करवाए गए हैं। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि क्वारग में लगभग 200 करोड़ रुपए की लागत से सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर दिव्यांगजन का निर्माण किया जा रहा है। इससे क्षेत्र का और अधिक विकास होगा। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार समाज के सभी वर्गों का कल्याण सुनिश्चित बना रही है। हिमाचल प्रदेश में बेसहारा बच्चों के भविष्य को सुधारने के लिए नवीन पहल की गई है। हिमाचल, देश का ऐसा पहला राज्य है जहां सुखाश्रय योजना के तहत 06 हजार से अधिक बेसहारा बच्चों को 'चिल्ड्रन ऑफ द स्टेट' के रूप में अपनाया गया है।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य क्षेत्र की मजबूती के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। शीघ्र ही प्रदेश में 400 चिकित्सकों और 600 नर्सों के पद भरे जाएंगे ताकि विभिन्न अस्पतालों, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में उचित संख्या में चिकित्सा एवं पैरामेडिकल कर्मी उपलब्ध हो। उन्होंने कहा कि नशे की समस्या समाज में एक गंभीर समस्या के रूप में उभर रही है। उन्होंने ग्रामीणों से आग्रह किया कि वह अपने बच्चों को नशे से दूर रखें। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने चिट्टे के विरुद्ध व्यापक अभियान आरम्भ किया है। उन्होंने सभी से आग्रह किया कि इस अभियान में बढ़-चढ़ कर भाग लें।

डॉ. शांडिल ने इस अवसर पर लोगों की समस्याएं सुनी और इनके शीघ्र निपटारे के अधिकारियों को निर्देश दिए। इस अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश ठाकुर ने भी अपने विचार रखे।

ग्राम पंचायत क्वारग की प्रधान संगीता ठाकुर, ग्राम पंचायत दंघील के प्रधान बलवीर, ग्राम पंचायत क्वारग के उप प्रधान मुकेश ठाकुर, ग्राम पंचायत दंघील के उप प्रधान सुरजीत, ग्राम पंचायत मही के उप प्रधान लायक राम ठाकुर, बीडीसी सदस्य कुंता देवी, ग्राम पंचायत क्वारग के पूर्व प्रधान ईश्वर ठाकुर, उपमंडलाधिकारी कंडाघाट गोपाल चंद शर्मा, खंड विकास अधिकारी कंडाघाट राजेश ठाकुर सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व ग्रामीण इस अवसर पर उपस्थित थे।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर से जांची सुविधाएं जताया संतोष

सोलन । राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर (बाल अधिकार एवं वरिष्ठ नागरिक) बालकृष्ण गोयल ने आज सोलन ज़िला में मानव अधिकारों की दृष्टि से कुछ स्थानों का सूक्ष्म निरीक्षण किया और सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए।

बालकृष्ण गोयल बाल अधिकार एवं वरिष्ठ नागरिकों के मानवाधिकारों की सूक्ष्म जांच पडताल के लिए सोलन के दो दिवसीय दौरे पर हैं। बालकृष्ण गोयल ने आंगनबाड़ी केन्द्र कोठों, शांति निकेतन चिल्ड्रन होम सुबाथू, ज़िला कारागार सोलन और उचित मूल्य की दुकान का निरीक्षण किया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के विशेष मॉनिटर ने इस अवसर पर कहा कि सभी के मानव अधिकार अत्यंत महत्वपूर्ण है और देश के संविधान एवं आयोग द्वारा स्थापित अधिकारों की पूर्ण सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। बालकृष्ण गोयल ने कहा कि बच्चों, वरिष्ठ नागरिकों, कैदियों तथा अन्य के अधिकारों को सुनिश्चित बनाया जाना ज़रूरी है। उन्होंने आंगनबाड़ी केन्द्र कोठों में विभिन्न व्यवस्थाओं को जांचा, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं सहित उपस्थित अन्य से बातचीत कर व्यवस्थाओं का जायज़ा लिया। उन्होंने यहां मिलने वाले भोजन पदार्थ का भी निरीक्षण किया।

बालकृष्ण गोयल ने शांति निकेतन चिल्ड्रन होम सुबाथू में बच्चों एवं अन्य से कार्यप्रणाली की पूर्ण जानकारी प्राप्त की। उन्होंने निर्देश दिए कि यहां सभी व्यवस्थाएं नियमानुसार संचालित की जानी चाहिएं। यह सुनिश्चित बनाया जाना चाहिए कि यहां निवास कर रहे बेसहारा बच्चों को न केवल समय पर सुविधाएं प्राप्त हों अपितु सरकार के निर्देशानुसार उनके भविष्य की सुरक्षा के लिए भी कार्य हों। उन्होंने शांति निकेतन चिल्ड्रन होम सुबाथू में एक महिला वॉर्डन की तैनाती के निर्देश भी दिए।

उन्हें इस अवसर पर प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी मुख्यमंत्री आश्रय योजना की पूर्ण जानकारी प्रदान की गई। उन्होंने तदोपरांत ज़िला कारागार सोलन में कैदियों सहित पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों से बातचीत कर व्यवस्थाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कारागार में भोजन, वस्त्र, रसोई, पुस्तकालय एवं शौचालय सहित कैदियों को मिलने वाली अन्य सुविधाओं तथा कैदियों को प्रदान किए जा रहे प्रशिक्षण की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कैदियों को मैनुअल के अनुसार मिलने वाली सुविधाओं और मानवाधिकारों के अनुरूप व्यवस्थाओं को जांचा।

आवश्यक सूचना

पाठकों को सलाह दी जाती है कि किसी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया से पहले विज्ञापन में प्रकाशित किसी उत्पाद या सेवा के बारे में पूरी तरह जांच पड़ताल कर लें। यह समाचार पत्र उत्पाद या सेवा की गुणवत्ता आदि के विवरण के बारे में विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे उल्लेख की पुष्टि या समर्थन नहीं करता। समाचार पत्र उपरोक्त विज्ञापनों के बारे में किसी भी प्रकार से उत्तरदायी नहीं होगा।

RNI NO: HARHIN/2002/08034, Postal Regd No. HR/AB/54/23-25 , स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक एकान्ति राय गर्ग द्वारा जनपथ पब्लिशर्स, बूथ नं.: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8, पंचकूला से प्रकाशित। सम्पादक:- एकान्ति रॉय गर्ग, मुख्य कार्यालय: बूथ नं: 437-पी (बी.पी.पेट्रोल पंप के पीछे) सेक्टर-8 पंचकूला-134109 (हरियाणा)। मो.: 9915606900, email : hindjanpath@gmail.com, argarg1610@gmail.com ।

न्यूज डायरी

'युद्ध नशों विरुद्ध' के 333वें दिन पंजाब पुलिस ने 1.1 किलो हेरोइन सहित 73 नशा तस्करों को किया काबू

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। प्रदेश से नशों के पूर्ण उन्मूलन के लिए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर शुरू की गई मुहिम " युद्ध नशों विरुद्ध' के 333वें दिन पंजाब पुलिस ने आज 275 स्थानों पर छापेमारी की। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश भर में 49 एफआईआर दर्ज कर 73 नशा तस्करों को गिरफ्तार किया गया। इसके साथ ही 333 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 46,770 हो गई है।

इन छापेमारियों के दौरान गिरफ्तार किए गए नशा तस्करों के कब्जे से 1.1 किलो हेरोइन, 205 नशीली गोलियां तथा 46,440 रुपये की ड्रग मनी बरामद की गई है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने पुलिस कमिश्नरों, डिप्टी कमिश्नरों तथा एसएसपीज़ को पंजाब को नशा-मुक्त प्रदेश बनाने के निर्देश दिए हैं। पंजाब सरकार द्वारा नशों के विरुद्ध युद्ध की निगरानी के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की अगुवाई में 5 सदस्यीय कैबिनेट सब-कमेटी भी गठित की गई है।

इस अभियान के दौरान 68 गजटेड अधिकारियों की निगरानी में 700 से अधिक पुलिस कर्मियों की 100 से ज्यादा पुलिस टीमों ने पूरे राज्य में 275 स्थानों पर छापेमारी की। उन्होंने आगे बताया कि दिन भर चले इस ऑपरेशन के दौरान पुलिस टीमों ने 274 संदिग्ध व्यक्तियों की जांच भी की।

यह भी उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने प्रदेश से नशों के उन्मूलन के लिए तीन-स्तरीय रणनीति—इन्फोर्समेंट, डी-एडिक्शन और प्रिवेंशन (ईडीपी)—लागू की है। इसी रणनीति के तहत पंजाब पुलिस ने आज 28 व्यक्तियों को नशा छोड़ने तथा पुनर्वास का इलाज लेने के लिए राज़ी किया है।

पिछड़े श्रेणियों, अल्पसंख्यक वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए पंजाब सरकार प्रतिबद्ध : संदीप सैनी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब पिछड़ा वर्ग भूमि विकास एवं वित्त निगम (बैकफिंको) द्वारा राज्य के पिछड़े वर्गों, आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और अल्पसंख्यक वर्गों के व्यक्तियों के आर्थिक स्तर को ऊपर उठाने के उद्देश्य से स्वरोज़गार स्थापित करने तथा विद्यार्थियों को देश और विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए कम ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। यह जानकारी बैकफिंको के चेयरमैन श्री संदीप सैनी ने दी।

उन्होंने बताया कि पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यक वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लोगों के उत्थान के लिए पंजाब सरकार निरंतर प्रयासरत है।

श्री सैनी ने बताया कि बैकफिंको द्वारा वर्ष 2025-26 के दौरान एन.एम. डी. योजना के अंतर्गत पंजाब राज्य के अल्पसंख्यक वर्ग (सिख, मुस्लिम, ईसाई, पारसी, बौद्ध और जैन) के लोगों को 1 अप्रैल 2025 से 31 दिसंबर 2025 तक 256 लाभार्थियों को 8.25 करोड़ रुपये के ऋण वितरित किए जा चुके हैं। उन्होंने पंजाब के पिछड़े वर्गों, अल्पसंख्यक वर्गों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के युवाओं से अपील की कि वे स्वरोज़गार शुरू करने के लिए बैकफिंको से संपर्क करें।

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां द्वारा महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार एवं अन्य अधिकारियों के निधन पर शोक व्यक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब विधानसभा के स्पीकर स कुलतार सिंह संधवां ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजीत पवार तथा अन्य अधिकारियों, जिन्होंने एक दुर्भाग्यपूर्ण विमान हादसे में अपनी जान गंवा दी, के आकस्मिक निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वे एक समर्पित और निडर नेता थे तथा जनसेवा के प्रति उनकी अटूट प्रतिबद्धता हमें सदैव प्रेरित करती रहेगी और वे हमारे दिलों में हमेशा जीवित रहेंगे। स्पीकर संधवां ने उनके निधन का समाचार सुनकर गहरा शोक व्यक्त किया और परमात्मा से प्रार्थना की कि दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें तथा इस दुख की घड़ी में शोकाकुल परिवारों को यह अपूरणीय क्षति सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

DC कॉम्प्लेक्स मोहाली में फ्री कैंसर स्क्रीनिंग और अवेयरनेस कैंप

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। डिस्ट्रिक्ट रेड क्रॉस सोसाइटी, साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर ने वर्ल्ड कैंसर केयर चैरिटेबल सोसाइटी के साथ मिलकर आज डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेटिव कॉम्प्लेक्स (DC कॉम्प्लेक्स), मोहाली में अलग-अलग हेल्थ प्रॉब्लम पर एक फ्री कैंसर स्क्रीनिंग और अवेयरनेस कैंप लगाया।

डिप्टी कमिश्नर-कम-प्रेसिडेंट, डिस्ट्रिक्ट रेड क्रॉस सोसाइटी, श्रीमती कोमल मित्तल ने बताया कि कैंप के दौरान मौजूद एक्सपर्ट डॉक्टरों ने टेस्ट के लिए आए लोगों की हेल्थ प्रॉब्लम के बारे में पूरी सलाह के बाद ज़रूरी मेडिकल टेस्ट किए। जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि कैंप के दौरान अलग-अलग तरह के कैंसर, बोन टेस्ट, डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और दूसरी बीमारियों की स्क्रीनिंग के लिए ब्लड सैंपल लिए गए। इसके अलावा, जरूरतमंदों की पास की नज़र की जांच करके उन्हें फ्री चश्मे भी बांटे गए।

जी.एन.डी.यू. ने रचा इतिहास: अब अंग्रेज़ी के साथ-साथ पंजाबी भी बनेगी शोध की भाषा

हिन्द जनपथ
अमृतसर(ब्यूरो)। गुरु नानक देव विश्वविद्यालय (जी.एन.डी.यू.), अमृतसर ने पंजाबी-फर्स्ट एजुकेशन, रिसर्च एंड गवर्नेंस पॉलिसी-2026 को मंज़ूरी देकर एक ऐतिहासिक और जन-केंद्रित कदम उठाया है। इस नीति के तहत वैश्विक अकादमिक मानकों से समझौता किए बिना पंजाबी (गुरमुखी) को उच्च शिक्षा के केंद्र में रखा गया है।

इस निर्णय की घोषणा करते हुए गुरु नानक देव विश्वविद्यालय के उपकुलपति प्रो. करमजीत सिंह ने कहा कि इस नीति का उद्देश्य उच्च शिक्षा को समाज से दोबारा जोड़ना और विद्यार्थियों को उस भाषा में सीखने की सुविधा देना है, जिसे वे सबसे बेहतर ढंग से समझते हैं।

ऐसे समय में जब उच्च शिक्षा काफी हद तक समाज से कटती जा रही है, यह नीति विश्वविद्यालयों को स्थानीय लोगों की भाषा से पुनः जोड़ने का प्रयास करती है। जी.एन. डी.यू. द्वारा इस नीति को लागू किए जाने के बाद प्रमुख शोध कार्य—जैसे पीएचडी थीसिस, शोध निबंध (डिसर्टेशन), प्रोजेक्ट रिपोर्ट तथा फंडेड रिसर्च आउटपुट—प्राथमिक अकादमिक भाषा (आमतौर पर अंग्रेज़ी) के साथ-साथ पंजाबी (गुरमुखी) में भी जमा कराना अनिवार्य होगा।

प्रो. करमजीत सिंह ने कहा कि यह कदम जितना सरल है, उतना ही सशक्त भी है। पंजाब में उत्पन्न ज्ञान न केवल वैश्विक स्तर पर बल्कि पंजाबी बोलने वाले विद्यार्थियों, शिक्षकों, अभिभावकों, नीति-निर्माताओं और नागरिकों के लिए भी सुलभ होना चाहिए।

वैश्विक ज्ञान और स्थानीय पहुँच

विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि पंजाबी भाषा में जमा कराए जाने वाले अकादमिक प्रोजेक्ट केवल औपचारिकता नहीं होंगे, बल्कि उनकी अकादमिक शुद्धता, मौलिक शोध-केन्द्रित दृष्टिकोण, स्पष्टता और सटीकता के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। जहां शोध की गुणवत्ता का मूल्यांकन मुख्य रूप से उस भाषा में किया जाता रहेगा जिसमें अकादमिक प्रोजेक्ट जमा किया जाना अनिवार्य है, वहीं पंजाबी भाषा में प्रस्तुत कार्य यह सुनिश्चित करेगा कि विचारों, नवाचारों और शोध कार्यों को भाषा संबंधी बाधाओं का सामना न करना पड़े।

यह भी महत्वपूर्ण है कि जब तक अर्थ और शुद्धता बनी रहती है, पंजाबी लेखन की शैली को लेकर विद्यार्थियों के साथ किसी भी प्रकार का भेदभाव नहीं किया जाएगा। इस नीति के तहत सीखने, सहभागिता और आत्मविश्वास को विशेष महत्व देते हुए भाषाई भेदभाव को दूर रखने पर ज़ोर दिया गया है।

यह विद्यार्थियों और पंजाब के लिए क्यों महत्वपूर्ण है

बहुत से विद्यार्थियों—विशेषकर ग्रामीण, सीमावर्ती और प्रथम-पीढ़ी की पृष्ठभूमि से आने वाले विद्यार्थियों—के लिए पंजाबी में अपने विचार व्यक्त करना अन्य भाषाओं की तुलना में अधिक सहज होता है। यह नीति उन्हें राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय गतिशीलता बनाए रखते हुए शोध एवं अकादमिक परियोजनाओं से अधिक गहराई से जुड़ने का अधिकार देती है। पंजाब के लिए इसके व्यापक और रचनात्मक परिणाम सामने आने की उम्मीद है। कृषि, स्वास्थ्य, शिक्षा, कानून, पर्यावरण, उद्यमिता और समाज से जुड़े शोध कार्य अब पंजाबी में भी उपलब्ध होंगे, जिससे व्यापक जन-समझ, बेहतर नीति-निर्माण तथा स्कूलों, स्टार्ट-अप्स, संस्थानों और समुदायों में ज्ञान का तेज़ी से आदान-प्रदान संभव हो सकेगा।

उपकुलपति ने आगे कहा कि इस कदम से पंजाबी केवल संस्कृति की भाषा न रहकर विज्ञान, नवाचार और लोक-कल्याण की भाषा के रूप में स्थापित होगी।

मज़बूत अकादमिक सहायता प्रणाली

इस नीति के सख़्त और एकरूप क्रियान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए जी.एन.डी.यू. एक मज़बूत संस्थागत सहायता प्रणाली स्थापित करेगा, जिसमें शामिल होंगे:

विभाग-वार पंजाबी अकादमिक शब्दावली
पंजाबी अकादमिक लेखन और संदर्भ (रेफरेंस) गाइड
शब्दावली और अनुवाद सहायता के लिए समर्पित पंजाबी अकादमिक सहायता इकाई

सीएम की योगशाला के तहत जिले में 358 योग कक्षाएं संचालित

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। जिले में सीएम की योगशाला के तहत प्रतिदिन 358 योग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं, जिनमें 14,500 से अधिक लोग योग कक्षाओं में भाग लेकर स्वस्थ और सुखद जीवन का लाभ उठा रहे हैं।

यह जानकारी देते हुए जिला योग समन्वयक प्रतिमा डावर ने बताया कि साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर (मोहाली) जिले में 22 जून 2023 से योग कक्षाओं की शुरुआत की गई थी। वर्तमान में जिले में 76 योग प्रशिक्षक कार्यरत हैं, जो सुबह से शाम तक प्रतिदिन पाँच-पाँच कक्षाएं संचालित करते हैं।

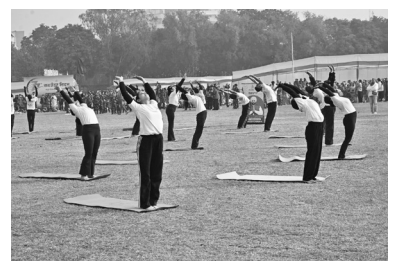

उन्होंने बताया कि योग कक्षाओं के लिए कोई शुल्क नहीं लिया जाता और ये कक्षाएं पार्कों, सामुदायिक केंद्रों आदि में आयोजित की जाती हैं। एक योग कक्षा के लिए न्यूनतम 25 सदस्यों की उपस्थिति आवश्यक है।

उन्होंने आगे बताया कि हाल ही में योग प्रशिक्षकों द्वारा जिले में अमिटी यूनिवर्सिटी में मुख्य निर्वाचन अधिकारी, पंजाब, श्रीमती अनिंदिता मित्रा के नेतृत्व में मनाए गए 16वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विशेष मंच प्रस्तुति दी गई। इसके अतिरिक्त, शहीद मेजर हरमिंदर पाल सिंह सरकारी कॉलेज, मोहाली में आयोजित जिला स्तरीय गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान भी योग प्रशिक्षकों ने अपनी विशेष योग प्रस्तुति के माध्यम से सहभागिता दर्ज कराई। उन्होंने कहा कि सीएम की योगशाला पंजाब सरकार की एक प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य राज्य भर के नागरिकों को निःशुल्क योग शिक्षा प्रदान करना है। यह कार्यक्रम योग को हर घर तक पहुँचाने और लोगों को योग को अपनी दैनिक जीवनशैली का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित करते हुए इसे एक जन आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करने का प्रयास करता है।

पंजाब सरकार कर्मचारियों की जायज़ मांगों को हल करने के लिए प्रतिबद्ध: डॉ. रवजोत सिंह

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब के संसदीय मामलों और एन.आर.आई. मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने आज राज्य सरकार की कर्मचारियों के प्रति प्रतिबद्धता दोहराते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में सरकार कर्मचारियों से जुड़े मुद्दों को हल करने के लिए पूरी तरह गंभीर है। उन्होंने बताया कि कच्चे कर्मचारियों सहित कर्मचारियों के कई अहम मुद्दों का समाधान पहले ही किया जा चुका है और शेष जायज़ मांगों पर भी सरकार सक्रिय रूप से विचार कर रही है।

पंजाब सिविल सचिवालय में विभिन्न बैठकों की अध्यक्षता करते हुए डॉ. रवजोत सिंह ने शिक्षा विभाग से संबंधित मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर शिक्षा सचिव सोनाली गिरी सहित शिक्षा विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

बैठक के दौरान डॉ. रवजोत सिंह ने शिक्षा विभाग से संबंधित 13 विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत की। शिक्षक संगठनों के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए कैबिनेट मंत्री ने आश्वासन दिया कि उनकी जायज़ मांगें प्रक्रिया के तहत हैं।

कैबिनेट मंत्री ने बैठक के दौरान शिक्षा विभाग और अन्य संबंधित विभागों को जायज़ मांगों पर आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने पुनः दोहराया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार कर्मचारी-हितैषी सरकार है और सभी जनसेवकों के लिए सहयोगात्मक वातावरण बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

पेडा द्वारा ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान एवं विकास परियोजनाओं हेतु शैक्षणिक संस्थानों के साथ समझौते हस्ताक्षरित

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। राज्य में सतत और दक्ष ऊर्जा आधारित भविष्य सुनिश्चित करने के उद्देश्य से ऊर्जा संरक्षण को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, पंजाब ऊर्जा विकास एजेंसी (पेडा) ने अनुसंधान एवं विकास (आर एंड डी) परियोजनाओं की शुरुआत के लिए प्रतिष्ठित शैक्षणिक संस्थानों के साथ दो समझौते हस्ताक्षरित किए हैं।

पंजाब के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने बताया कि भवनों, उद्योगों और सार्वजनिक बुनियादी ढांचे में ऊर्जा दक्षता को बेहतर बनाने के लिए ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने हेतु चंडीगढ़ यूनिवर्सिटी, घड़ुआं तथा भाई गुरदास इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, संगरूर के साथ ये समझौते किए गए हैं।

पेडा को इन समझौतों के लिए बधाई देते हुए श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि इन समझौतों का उद्देश्य पंजाब में ऊर्जा खपत को कम करने और दक्षता बढ़ाने के लिए नवाचार, अनुसंधान और व्यावहारिक समाधानों को प्रोत्साहित करने हेतु सरकार, शैक्षणिक संस्थानों और विद्यार्थियों के बीच मजबूत सहयोग विकसित करना है। इस पहल के अंतर्गत इंजीनियरिंग कॉलेजों, विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों के विद्यार्थियों को ऊर्जा से संबंधित अनुसंधान, क्षेत्रीय अध्ययन, प्रौद्योगिकी विकास और पायलट परियोजनाओं में सक्रिय रूप से भाग लेने का बेहतर अवसर प्रदान किया जाएगा।

श्री अरोड़ा ने बताया कि इन समझौतों पर पेडा की सीईओ श्रीमती नीलिमा द्वारा हस्ताक्षर किए गए हैं। ये समझौते युवा प्रतिभाओं को निखारने, तकनीकी कौशल को सुदृढ़ करने तथा विद्यार्थियों में ऊर्जा संरक्षण और सतत विकास के प्रति जागरूकता बढ़ाने में सहायक सिद्ध होंगे।

उन्होंने आगे कहा कि इन समझौतों के अंतर्गत शुरू की जाने वाली अनुसंधान एवं विकास परियोजनाएं राज्य भर में भवनों, उद्योगों और सार्वजनिक स्थलों में ऊर्जा दक्षता को बढ़ावा देने, हरित प्रौद्योगिकियों और श्रेष्ठ प्रथाओं को प्रोत्साहित करने, दीर्घकालिक ऊर्जा योजना के लिए नीतियां तैयार करने तथा ऊर्जा लागत और कार्बन उत्सर्जन को कम करने पर केंद्रित होंगी। कैबिनेट मंत्री ने मुख्यमंत्री स. भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की ऊर्जा दक्षता और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता की पुनः पुष्टि की, जो पंजाब को ऊर्जा के विवेकपूर्ण उपयोग के लिए एक आदर्श राज्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

पंजाब सरकार संविदा कर्मचारियों को नियमित करने के लिए प्रतिबद्ध; जायज मांगों का शीघ्र समाधान किया जाएगा: लालजीत सिंह भुल्लर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंजाब सरकार परिवहन विभाग के संविदा कर्मचारियों को नियमित करने सहित उनकी सभी जायज मांगों का शीघ्र समाधान करने के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात परिवहन मंत्री लालजीत सिंह भुल्लर ने कही। उन्होंने बताया कि इन कर्मचारियों की मांगों पर विचार-विमर्श के लिए 3 फरवरी, 2026 को परिवहन सचिव के साथ यूनियन सदस्यों की बैठक तय की गई है।

आज यहां पंजाब रोडवेज, पनबस/पी.आर.टी.सी. कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन पंजाब के प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक के दौरान स भुल्लर ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार कच्चे कर्मचारियों को पक्का करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि विभाग के संविदा कर्मचारियों की सभी जायज मांगों पर सहानुभूतिपूर्वक विचार किया जा रहा है।

मंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार जहां कर्मचारियों और मुलाजिमों की भलाई के लिए प्रतिबद्ध है, वहीं राज्य के लोगों और यात्रियों के हितों का भी पूरा ध्यान रखा जा रहा है।

मंत्री ने कर्मचारी यूनियन के प्रतिनिधियों को आश्वस्त करते हुए कहा कि वे जनहित में अपनी सेवाएं निभाते रहें और सरकार भी अपने कर्मचारियों का पूरा ख्याल रखेगी।

इस अवसर पर परिवहन सचिव वरुण रूज़म, विशेष प्रमुख सचिव मुख्यमंत्री कुमार अमित, निदेशक स्टेट ट्रांसपोर्ट राजीव कुमार गुप्ता, ए.एम.डी. पी.आर.टी.सी. नवदीप कुमार के अलावा रेशम सिंह (प्रदेश प्रधान), समशेर सिंह (जनरल सेक्रेटरी), हरकेश कुमार विक्की (सीनियर उपाध्यक्ष), बलजीत सिंह (कैशियर) और जगतार सिंह सहित अन्य नेता बैठक में उपस्थित थे।

नेशनल रोड सेफ्टी महीने के तहत SAS नगर में अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन

हिन्द जनपथ
साहिबज़ादा अजीत सिंह नगर(ब्यूरो)। सीनियर सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस, जिला SAS नगर श्री हरमनदीप सिंह हंस IPS के निर्देशों के अनुसार, जिला SAS नगर की ट्रैफिक पुलिस हर साल की तरह नेशनल रोड सेफ्टी महीना (तारीख 01.01.2026 से 31.01.2026) मना रही है।

इसी सीरीज़ के तहत, आज 28.01.2026 को, एस. करनैल सिंह PPS, डिप्टी सुपरिटेंडेंट ऑफ़ पुलिस ट्रैफिक ने खालसा कॉलेज मोहाली ऑफ़ टेक्नोलॉजी एंड बिज़नेस स्टडीज़, फेज़ 3-A, मोहाली में टीचर्स और स्टूडेंट्स के साथ रोड सेफ्टी अवेयरनेस सेमिनार का आयोजन किया।

सेमिनार के दौरान, स्टूडेंट्स को ड्रग्स के बुरे असर, ट्रैफिक नियमों का पालन करने के महत्व, सुरक्षित ड्राइविंग और स्पोर्ट्स के प्रति मोटिवेट होने के बारे में जागरूक किया गया। सेमिनार का मुख्य मकसद स्टूडेंट्स में ट्रैफिक नियमों का पालन करने की ज़िम्मेदारी की भावना पैदा करना था।

इस मौके पर मोटर व्हीकल एक्ट के सेक्शन 199-A के बारे में जानकारी दी गई और बताया गया कि अगर 18 साल से कम उम्र का बच्चा गाड़ी चलाता है, तो उसके माता-पिता को 3 साल तक की जेल या 25,000 रुपये तक का जुर्माना हो सकता है और गाड़ी देने वाले को भी सज़ा या जुर्माना हो सकता है। इसके अलावा, इमरजेंसी गाड़ियों (एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड वगैरह) को रास्ता न देने पर मोटर व्हीकल एक्ट के सेक्शन 194-E के तहत 10,000 रुपये जुर्माना या 6 महीने तक की जेल का प्रावधान है।

मान सरकार का गरीब और हाशिए पर खड़े वर्गों के लिए बड़ा कदम; आशीर्वाद योजना अब केवल सेवा केंद्रों के माध्यम से लागू होगी : डॉ. बलजीत कौर

पारदर्शिता, सुविधा और भरोसा सुनिश्चित करने के लिए आशीर्वाद ऑनलाइन पोर्टल को सेवा केंद्रों से जोड़ा गया : डॉ. बलजीत कौर

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा गरीब, पिछड़े और हाशिए पर खड़े वर्गों के कल्याण के लिए लगातार जनहितैषी फैसले लिए जा रहे हैं। इसी दिशा में आशीर्वाद योजना को और अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और जन–मैत्री बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। यह बात पंजाब की सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कही।

पंजाब की सामाजिक न्याय, अधिकारिता और अल्पसंख्यक मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने आज पंजाब भवन में आशीर्वाद ऑनलाइन पोर्टल को सेवा केंद्रों के साथ संयुक्त रूप से जोड़कर आधिकारिक तौर पर शुरू किया। उन्होंने जानकारी दी कि अब से आशीर्वाद योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए आवेदन केवल सेवा केंद्रों के माध्यम से ही जमा किए जा सकेंगे, जिससे योजना की कार्यप्रणाली और अधिक प्रभावी तथा जवाबदेह बनेगी।

मंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि मान सरकार की दृढ़ प्रतिबद्धता है कि सरकारी कल्याण योजनाओं का प्रत्येक रुपया पूरी ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ पात्र लाभार्थी तक पहुंचे। सेवा केंद्रों के माध्यम से आवेदन लेने से भ्रष्टाचार, दलाली और दुरुपयोग पर अंकुश

लगेगा तथा लोगों का सरकारी प्रणाली पर विश्वास और अधिक मजबूत होगा। यह पहल बेटियों के सम्मान, सामाजिक सुरक्षा और पारदर्शी प्रशासन के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि आशीर्वाद योजना पंजाब सरकार की एक प्रमुख कल्याणकारी योजना है। इस योजना के तहत अनुसूचित जातियों, ईसाई समुदाय, पिछड़ी श्रेणियों और आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों तथा सभी जातियों की विधवाओं की बेटियों और अनुसूचित जाति की विधवाओं एवं तलाकशुदा महिलाओं के विवाह के समय 51,000 की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। उन्होंने आगे कहा कि पहले लाभार्थियों को दस्तावेजों सहित आवेदन विभाग के तहसील कार्यालयों में जमा करवाने पड़ते थे, जिससे प्रक्रिया में देरी और तकनीकी खामियां आती थीं। उन्होंने यह भी कहा कि बाद में योजना को ऑनलाइन करने के बावजूद निजी साइबर कैफे द्वारा अधिक फीस वसूलने संबंधी शिकायतें मिलती रहती थीं। इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, सामाजिक न्याय मंत्री डॉ. बलजीत कौर ने कहा कि पंजाब सरकार ने अब आशीर्वाद पोर्टल को सेवा केंद्रों से जोड़ दिया है। इससे लाभार्थी अपने नजदीकी सेवा केंद्र से कम खर्च में, आसान और पूरी तरह पारदर्शी तरीके से योजना का लाभ प्राप्त कर सकेंगे।

राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह: पंजाब पुलिस ने यारा इंडिया के सहयोग से सड़क सुरक्षा और रसायनों के प्रबंधन पर वेबिनार आयोजित किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। चल रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह–2026 के तहत, पंजाब पुलिस के ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा विंग ने यारा इंडिया के सहयोग से आज सड़क सुरक्षा प्रबंधन तथा दुर्घटनाओं के दौरान रसायनों के प्रबंधन के संबंध में फील्ड कर्मियों की तैयारियों को और मजबूत करने के उद्देश्य से एक विशेष वेबिनार आयोजित किया।

पंजाब पुलिस मुख्यालय में आयोजित इस ऑनलाइन प्रशिक्षण सत्र में प्रदेश भर से सड़क सुरक्षा फोर्स तथा जिला ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा टीमों के 600 से अधिक अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भाग लिया।

इस अवसर पर संबोधित करते हुए स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा) ए.एस. रॉय ने सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में मानवीय मूल्यों को विशेष स्थान देने के महत्व पर बल दिया।

- **सड़क सुरक्षा से जुड़े प्रयासों में मानवीय मूल्यों को विशेष स्थान दिया जाना चाहिए: स्पेशल डीजीपी ए.एस. रॉय**
- **वेबिनार में 600 से अधिक ट्रैफिक एवं सड़क सुरक्षा फोर्स के कर्मियों ने भाग लिया**

उन्होंने कहा कि सड़कों पर सुरक्षा, सहानुभूति और जिम्मेदार व्यवहार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जो बहुमूल्य जानों—विशेष रूप से युवाओं की जान—को बचाना सुनिश्चित करता है।

इस दौरान तकनीकी सत्रों का संचालन यारा इंडिया के एचईएसक्यू सिक्योरिटी मैनेजर राजीव पाहुजा, यारा इंडिया के एससीएम मैनेजर संदीप तोमर तथा ट्रैफिक सलाहकार, पंजाब, डॉ. नवदीप असीजा द्वारा किया गया। सत्रों के दौरान सड़क सुरक्षा से जुड़े आंकड़ों, ड्राइविंग के दौरान संभावित खतरों की पहचान, संवेदनशील यात्रियों के व्यवहार, आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रोटोकॉल तथा यातायात और सड़क आपात स्थितियों के दौरान उर्वरकों के सुरक्षित प्रबंधन पर विस्तृत चर्चा की गई।

इस अवसर पर बोलते हुए यारा साउथ एशिया के एमडी संजीव कंवर ने कहा कि सड़क सुरक्षा एक साझा जिम्मेदारी है, जो सीधे तौर पर जन-जीवन और समुदायों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि उर्वरकों का परिवहन भारत के कृषि पारिस्थितिकी तंत्र के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है और इनके परिवहन तथा आपात स्थितियों के दौरान सुरक्षा सुनिश्चित करना भी आवश्यक है।

उन्होंने आगे कहा कि पंजाब पुलिस के साथ यारा का यह सहयोग सुरक्षा, स्थिरता और जिम्मेदार तरीके से कार्य सुनिश्चित करने की उसकी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, और विशेषज्ञों के नेतृत्व में इस प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम सड़क सुरक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण बदलाव ला सकते हैं।

संपादकीय

साइबर ठगों का बढ़ता जाल, क्यों थम नहीं पा रही ऑनलाइन धोखाधड़ी?

भारत में साइबर धोखाधड़ी नहीं थम पा रही, तो आखिर इसकी वजह क्या है? वर्तमान समय में इस अपराध के इतने स्वरूप हैं कि पीड़ित व्यक्ति ठगों की साजिश को एकबारगी समझ नहीं पाता और वह जीवन भर की कमाई लुटा बैठता है। यही वजह है कि साइबर अपराधी हर वर्ष लोगों को करोड़ों की चपत लगा रहे हैं।विश्व आर्थिक मंच ने दावोस बैठक से पहले अपनी 'वार्षिक जोखिम रपट' में भारत में बढ़ती इसी साइबर असुरक्षा को लेकर आगाह किया है। मंच ने गलत सूचनाओं और भ्रामक जानकारियों के प्रसार पर भी चिंता जताई है। वहीं भारत के मामले में एक अध्ययन ने शीर्ष पांच जोखिमों की पहचान की है, जिनमें साइबर असुरक्षा को विशेष रूप से शामिल किया है।दरअसल, देश में इस असुरक्षा के लगातार बढ़ते जाने की एक बड़ी वजह यह है कि ठगों ने देश से लेकर विदेश तक अपना जाल बिछा लिया है।

इस लिहाज से यह न सिर्फ तकनीकी समस्या है, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा मसला भी है।चिंता की बात यह है कि हम साइबर अपराधियों पर शिकंजा कसने के लिए निगरानी तंत्र आज तक मजबूत नहीं कर पाए हैं। नागरिकों में भी डिजिटल साक्षरता का अभाव दिखता है। एक गंभीर समस्या डिजिटल रूप से बदले गए वीडियो और चित्रों की भी है जो आज नागरिकों के लिए परेशानी का सबब बन गए हैं। इसको लेकर भी विश्व आर्थिक मंच ने चिंता जताई है। ऐसे कई विवादित वीडियो सामने आ चुके हैं। अगर साइबर अपराधियों का हौसला बढ़ा है, तो यह व्यवस्था की खामी है।हैरत की बात है कि अपराधियों के संजाल तक पहुंचने की तमाम कोशिशों के बावजूद देश में साइबर असुरक्षा लगातार बढ़ती चली गई है।

आखिर क्या कारण है कि हम धोखेबाजों के असल ठिकानों पर नहीं पहुंच पा रहे हैं? भारत में इस असुरक्षा का जोखिम इसलिए भी गहरा है, क्योंकि लोगों के पास सजगता और व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने जैसे सीमित विकल्प ही हैं। दोराय नहीं कि अब सरकार को सख्ती बरतनी होगी। साइबर अपराध के संजाल को तोड़ने का वक्त आ गया है।

हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी।

मदर ऑफ ऑल ट्रेड डील्स ने ट्रंप की टैरिफ वाली राजनीति को दिया तगड़ा जवाब

(नीरज कुमार दुबे)

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर को भारत के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग पच्चीस प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक तिहाई हिस्सा रखते हैं। भारत और यूरोपीय संघ के बीच लंबे इंतजार के बाद मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार संपन्न हो गया। इसे दोनों पक्षों ने मदर ऑफ ऑल डील्स कहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मौजूदगी में यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन और यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो लुइस सैंटोस दा कोस्टा के साथ इस समझौते के राजनीतिक ऐलान पर हस्ताक्षर और आदान प्रदान हुआ। इस अवसर पर यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष ने कहा कि आज भारत और यूरोप इतिहास बना रहे हैं। यह समझौता दो अरब लोगों का मुक्त व्यापार क्षेत्र तैयार करता है जिससे दोनों पक्षों को लाभ होगा। उन्होंने यह भी कहा कि यह केवल शुरुआत है और रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत किया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर को भारत के आर्थिक भविष्य के लिए निर्णायक बताते हुए कहा कि भारत और यूरोपीय संघ मिलकर वैश्विक जीडीपी का लगभग पच्चीस प्रतिशत और दुनिया के कुल व्यापार का करीब एक तिहाई हिस्सा रखते हैं। उन्होंने कहा कि यह समझौता एक सौ चालीस करोड़ भारतीयों और करोड़ों यूरोपीय नागरिकों के लिए नए अवसर खोलेगा।

हम आपको बता दें कि इस मुक्त व्यापार समझौते के तहत यूरोपीय संघ अपने लगभग 97 प्रतिशत वस्तु निर्यात पर भारत में शुल्क हटाएगा या कम करेगा। इससे हर साल करीब चार अरब यूरो की बचत होगी। भारत के लिए इसका मतलब है कि यूरोपीय कारें, बीयर, जैतून का तेल और प्रोसेस्ड फूड सस्ते होंगे। वहीं भारत को कपड़ा, चमड़ा, समुद्री उत्पाद और कई श्रम आधारित क्षेत्रों में शुल्क मुक्त या रियायती पहुंच मिलेगी। देखा जाये तो भारत और

यूरोपीय संघ के बीच हुए मुक्त व्यापार समझौते के बाद भारत में कई यूरोपीय उत्पाद सस्ते होने की संभावना है। इस समझौते के तहत यूरोप से आयात होने वाली प्रीमियम कारों पर शुल्क में कटौती होगी जिससे बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज जैसी गाड़ियां पहले के मुकाबले कम कीमत पर उपलब्ध हो सकेंगी। यूरोपीय शराब, बीयर और वाइन पर भी टैक्स घटेगा जिससे ये उत्पाद आम उपभोक्ताओं के लिए अधिक सुलभ होंगे। इसके अलावा, चॉकलेट और अन्य खाद्य वस्तुएं भी सस्ती हो सकती हैं। साथ ही मेडिकल उपकरण, ऑप्टिकल मशीनें और उन्नत तकनीकी सामान पर शुल्क हटने से स्वास्थ्य सेवाओं और उद्योगों की लागत कम होगी। वहीं रत्न, आभूषण और प्लास्टिक जैसे क्षेत्रों में शून्य शुल्क का लाभ मिलने से इन उत्पादों की कीमतों पर भी सकारात्मक असर पड़ेगा और घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। समझौते के तहत मशीनरी, रसायन और दवाओं पर ऊंचे शुल्क लगभग खत्म हो जाएंगे। विमान और अंतरिक्ष उपकरणों पर भी शुल्क हटाने का रास्ता साफ हुआ है। यूरोपीय संघ का अनुमान है कि इससे वर्ष 2032 तक उसका भारत को निर्यात दोगुना हो सकता है। साथ ही दोनों पक्षों ने व्यापार के साथ सुरक्षा और रक्षा साझेदारी की भी घोषणा की है। यूरोपीय संघ ने अगले दो वर्षों में पांच सौ मिलियन यूरो की सहायता से भारत के हरित ऊर्जा और जलवायु प्रयासों को समर्थन देने की बात भी कही है। यह समझौता केवल आर्थिक नहीं बल्कि जलवायु और रणनीतिक आयाम भी रखता है। हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते के लागू होने में अभी कुछ समय लगेगा और इसके 2027 की शुरुआत में प्रभावी होने की संभावना है।

देखा जाये तो भारत और यूरोपीय संघ के बीच हुआ यह मुक्त व्यापार समझौता बदलती वैश्विक राजनीति में एक स्पष्ट संदेश भी है।

यह संदेश खास तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दबाव और टैरिफ आधारित नीति के लिए करारा झटका है। बीते वर्षों में अमेरिका ने व्यापार को हथियार की तरह इस्तेमाल किया। ऊंचे शुल्क धमकियां और सहयोगियों पर दबाव ट्रंप की पहचान बन गई। भारत पर रूसी तेल खरीद को लेकर अतिरिक्त शुल्क और यूरोप पर लगातार दबाव इसी नीति का उदाहरण हैं। ऐसे माहौल में भारत और यूरोपीय संघ का एक दूसरे के साथ इतनी व्यापक डील करना यह दिखाता है कि दुनिया अब दबाव नहीं बल्कि साझेदारी चाहती है।

यह समझौता इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अमेरिका और यूरोप के बीच व्यापार वार्ता ठंडी पड़ी हुई है। यूरोप ने साफ कर दिया कि वह अपमान और धमकी की राजनीति के आगे नहीं झुकेगा। भारत ने भी अमेरिका के साथ व्यापार वार्ताओं में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में अपनी लाल रेखा स्पष्ट रूप से सामने रखी है।

मणिपुर में शांति की लौ जली ही थी, एक हत्या ने फिर बढ़ा दी आग

गुरुवार को हत्या के विरोध में काकचिंग खुन्नौ लामखाई क्षेत्र में लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया और वाहनों की आवाजाही बाधित कर दी। जाहिर है, काफी जद्दोजहद के बाद राज्य में जो हालात थोड़े नियंत्रण में आते दिख रहे थे, उसके फिर बिगड़ने की स्थिति बन रही है।खबरों के मुताबिक, काकचिंग जिले के एक मैतेई युवक की शादी चुराचांदपुर की कुकी जनजाति की युवती से हुई थी। स्थानीय समूहों ने युवक को पत्नी के साथ रहने की इजाजत दे दी थी। मगर इसके बाद अचानक ही कुछ लोगों ने अगवा कर युवक की हत्या कर दी। अपहरणकर्ताओं के एक उग्रवादी कुकी समूह से जुड़े होने का संदेह है।हालांकि इस घटना की जांच का जिम्मा एनआइए को दे दिया गया है और निष्कर्ष आने के बाद ही हकीकत सामने आएगी।

किसी भी संगठन ने इसकी ज़िम्मेदारी नहीं ली है, लेकिन सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों को शक है कि यह यूनाइटेड कुकी नेशनल आर्मी (यूकेएनए) के ऑपरेटिव्स का काम है। पिछले कुछ समय से मणिपुर में जिस तरह हालात थोड़े काबू में दिख रहे हैं, उसके मद्देनजर यह उम्मीद स्वाभाविक है कि अब शायद वहां शांति और स्थिरता लौट सकेगी। मगर बुधवार को एक व्यक्ति की हत्या के बाद फिर से शांति की उम्मीद के धुंधलाने की आशंका खड़ी हो गई है। गौरतलब है कि मणिपुर के अशांत चुराचांदपुर जिले में कुछ संदिग्ध उग्रवादियों ने मैतेई समुदाय के एक व्यक्ति को अगवा कर लिया, फिर गोली मार कर उसकी हत्या कर दी। इसके बाद उस इलाके में तनाव फिर बढ़ गया। गुरुवार को हत्या के विरोध में काकचिंग खुन्नौ लामखाई क्षेत्र में लोगों ने उग्र प्रदर्शन किया और वाहनों की आवाजाही बाधित कर दी। जाहिर है, काफी जद्दोजहद के बाद राज्य में जो हालात थोड़े नियंत्रण में आते दिख रहे थे, उसके फिर बिगड़ने की स्थिति बन रही है।खबरों के मुताबिक, काकचिंग जिले के एक मैतेई युवक की शादी चुराचांदपुर की कुकी जनजाति की युवती से हुई थी। स्थानीय समूहों ने युवक को पत्नी के साथ रहने की इजाजत दे दी थी। मगर इसके बाद अचानक ही कुछ लोगों ने अगवा कर युवक की हत्या कर दी। अपहरणकर्ताओं के एक उग्रवादी कुकी समूह से जुड़े होने का संदेह है।हालांकि इस घटना की जांच का जिम्मा एनआइए को दे दिया गया है

और निष्कर्ष आने के बाद ही हकीकत सामने आएगी। मगर हत्या के पीछे उन तत्त्वों का हाथ होने की आशंका है, जो नहीं चाहते कि राज्य में शांति फिर से पटरी पर लौटे। आपस में दो विरोधी समुदायों के युवक-युवती की शादी के बाद जब स्थानीय समूहों ने दोनों को साथ रहने की अनुमति दे दी थी, तो यह पहल सामुदायिक स्तर पर भी सद्भाव की वापसी की एक कड़ी बन सकती थी। इसके बाद दोनों समुदायों के बीच सहमति आधारित समाधान की राह की तलाश करने में मदद मिल सकती थी। मगर वे कौन लोग हैं, जिन्हें इस पर आपत्ति हुई और उन्होंने अपहरण करके युवक की हत्या कर दी? साफ है कि इस घटना को अंजाम देने वालों का मकसद फिर से दोनों समुदायों के बीच अशांति और हिंसा को भड़काना है। निश्चित रूप से एक व्यक्ति की हत्या भी बेहद दुखद है, लेकिन फिलहाल जरूरत इस बात की है कि किसी भी घटना को अशांति पैदा करने का कारण न बनने दिया जाए। मणिपुर में मैतेई समुदाय को जनजातीय दर्जा देने के मसले पर मई, 2023 में कुकी-जो समुदाय के साथ जो टकराव पैदा हुआ था, उसमें अब तक ढाई सौ से ज्यादा लोग मारे जा चुके हैं और हजारों परिवार बेघर हुए। लगातार हिंसा और अराजकता में पिछले कुछ समय से थोड़ी कमी देखी जा रही है, मगर जमीन पर दोनों समुदायों के बीच विभाजन की स्थिति अभी भी बनी हुई है।इसे पाटने के लिए सरकार को हर उस पहल का समर्थन करना चाहिए और कुकी तथा मैतेई समुदाय के बीच समझौते की स्थितियों का निर्माण करना चाहिए, जिससे राज्य में शांति कायम हो सके। इस क्रम में केंद्र सरकार, मणिपुर सरकार और कई कुकी-जो संगठनों के बीच एसओओ यानी 'सस्पेंशन आफ आपरेशन्स' समझौता हुआ था, जिसका मकसद उग्रवादी समूहों के साथ राजनीतिक संवाद शुरू करना और हिंसा को समाप्त करना है। मगर अब भी कुछ समूह इससे बाहर हैं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि मणिपुर में स्थिति फिलहाल नियंत्रण में जरूर दिख रही है और इसके सहारे शांति की उम्मीद की जा सकती है, लेकिन इस स्थिति में अगर निरंतरता नहीं बनी रही, तो एक छोटी चिंगारी भी हिंसा की आग को फिर से भड़का सकती है।

वर्ग पहेली 5987

1	2	3	■	4	5	6	7
8			■	9			
10		■	■	11		■	
■	■	12	13			■	
■	14				■	15	■
16				■	17		
■		■	■	18			■
■	19				■	20	

संकेतः बाएं से दाएं

1. 3 जून 1918 को मध्यप्रदेश में यहां गांधीजी की अध्यक्षता में हिंदी साहित्य सम्मेलन आयोजित हुआ जिसमें पारि प्रस्ताव द्वारा हिंदी राजभाषा मानी गई (3)
4. ये यूनानी दर्शनिक जो प्लेटो के गुरू थे (4)
8. पत्रे की चौड़ाई में विभाग, स्तंभ (3)
9. दंत पक्तियों वाली लोहे की चौकोर कंघी, अरहर के डंठलों की झाड़ू (4)
10. मनोयोग से काम में लगा हुआ (2)
11. जो रिश्ते में पिता का पिता हो (2)
12. सहयोग, मदद, इमदाद (4)
14. एक भूमिगत तना जो औषधि और मसाले में प्रयक्त होता है (4)
16. भूलना, भुला देना (4)
17. कुल, सारा, समाप्त (3)
18. यह इंद्र का सारथि था कहते हे राम रावण के युद्ध में यही श्रीराम का सारथि था (3)
19. यह जंबू द्वीप के अरबखंड में स्थित एक देश जो 1971 में स्वतंत्र हुआ (4)
20. विश्व की एक मात्र फिल्म जो एक पात्रीय थी (2)

ऊपर से नीचे

1. मना या वर्जित करने का भाव (3)
2. धन-संपत्ति, रूपया-पैसा (3)
3. तरंग, लहर-पेंग एक विलायती मदिरा (2)
4. सुखदेने वाला, सुखदाता (5)
5. टेक्स देने वाला, करदायक (4)
6. पथ, मार्ग, रास्ता (2)
7. करी से काट-छांट करना (4)
12. सर्वोच्च स्थान (3)
13. पराजित होना, शिकस्त खाना (3)
14. घर-गृहस्थी का सामान आदि (4)
15. इस देश का पूर्व में सोमाली लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में जाना जाता था (2)
17. वह वाद्य जिसमें तार लगे हो, वहीं (2)
18. प्रतिष्ठा, इज्जत, नापने की क्रिया (2)

वर्ग पहेली 5986 का हल

श्र	मे	व	ज	य	ते	■	गु
मि	ल	न	■	म	ह	सू	ल
क	न	■	ग	ज	रा	■	फा
■	बै	रा	ग	■	न	सी	म
म	ठ	■	न	बी	■	प	■
■	ना	का	म	■	■	■	गा
क	■	म	णि	र	ब	म	■
वि	य	ना	■	क्स	■	घा	ट

इतिहास का सबसे बड़ा व्यापार समझौते से बदलेगा वैश्विक समीकरण?

(अभिनय आकाश)

विदेश मंत्रालय द्वारा जारी परिणामों की सूची के अनुसार, नेताओं ने 'टुवर्ड्स 2030ः ए जॉइंट इंडिया-यूरोपियन यूनियन कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक एजेंडा' पर हस्ताक्षर का स्वागत किया, जो भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी का मार्गदर्शन करने वाला एक व्यापक ढांचा है। इस यात्रा के दौरान भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता भी संपन्न हुई, जो भारत के इतिहास का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है और जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच आर्थिक और निवेश संबंधों को बढ़ावा देना है।

यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन की राजकीय यात्रा के दौरान, भारत और यूरोपीय संघ ने मंगलवार को व्यापार, सुरक्षा, रक्षा, गतिशीलता, स्वच्छ ऊर्जा, विज्ञान और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों को कवर करने वाले 13 समझौतों और व्यवस्थाओं पर हस्ताक्षर किए। ये समझौते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सह-अध्यक्षता में आयोजित 16वें भारत-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन के दौरान हस्ताक्षरित किए गए। विदेश मंत्रालय द्वारा जारी परिणामों की सूची के अनुसार, नेताओं ने 'टुवर्ड्स 2030ः ए जॉइंट इंडिया-यूरोपियन यूनियन कॉम्प्रिहेंसिव स्ट्रैटेजिक एजेंडा' पर हस्ताक्षर का स्वागत किया, जो भारत-यूरोपीय संघ रणनीतिक साझेदारी का मार्गदर्शन करने वाला एक व्यापक ढांचा है। इस यात्रा के दौरान भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता भी संपन्न हुई, जो भारत के इतिहास का सबसे बड़ा व्यापार समझौता है और जिसका उद्देश्य दोनों पक्षों के बीच आर्थिक और निवेश संबंधों को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) के संपन्न होने का स्वागत करते हुए इसे केवल एक व्यापार समझौता नहीं, बल्कि साझा समृद्धि का खाका बताया। यूरोपीय नेताओं के साथ संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा कि साझा लोकतांत्रिक मूल्यों, आर्थिक तालमेल और मजबूत जन-संबंधों के आधार पर हाल के वर्षों में भारत-यूरोपीय संघ के संबंध तेजी से विकसित हुए हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि भारत-यूरोपीय संघ का व्यापार 180 अरब यूरो का है। रक्षा और सुरक्षा के क्षेत्र में, भारत-यूरोपीय संघ सुरक्षा एवं रक्षा साझेदारी (एसडीपी) को औपचारिक रूप दिया गया, जिससे समुद्री सुरक्षा, रक्षा उद्योग एवं प्रौद्योगिकी, साइबर एवं हाइब्रिड खतरों, अंतरिक्ष एवं आतंकवाद-विरोधी गतिविधियों में सहयोग को गहरा करने के लिए अपनी तरह का पहला ढांचा तैयार हुआ। गोपनीय सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाने और रक्षा सहयोग को बढ़ाने के लिए भारत-यूरोपीय संघ सूचना सुरक्षा समझौते पर भी बातचीत शुरू की गई।

इस समझौते पर हस्ताक्षर के साथ, भारत जापान और दक्षिण कोरिया के बाद यूरोपीय संघ के साथ ऐसा समझौता करने वाला तीसरा एशियाई देश बन गया है। भारतीय रिज़र्व बैंक और यूरोपीय प्रतिभूति एवं बाज़ार प्राधिकरण के बीच एक समझौता ज्ञापन के साथ-साथ उन्नत इलेक्ट्रॉनिक हस्ताक्षर और मुहरों पर एक प्रशासनिक व्यवस्था के माध्यम से वित्तीय और तकनीकी सहयोग को भी मजबूत किया गया। गतिशीलता समझौतों पर भी सहमति बनी, जिसमें सहयोग के लिए एक ढांचा और कौशल गतिशीलता को बढ़ावा देने के लिए भारत में एक पायलट यूरोपीय संघ कानूनी गेटवे कार्यालय की घोषणा शामिल है। भारत के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) और यूरोपीय संघ के नागरिक सुरक्षा एवं मानवीय सहायता संचालन महानिदेशालय के बीच एक समझौते के माध्यम से आपदा प्रबंधन सहयोग को सुदृढ़ किया गया।

आज का राशिफल

मेष

आज के दिन में थोड़ा सतर्क रहना होगा। ऐसे में आपका दिन कोई विशेष व्यवस्था करने में बीतता हुआ नजर आ रहा है। आपका भौतिक और सांसारिक दृष्टिकोण आज के दिन कुछ बदल सकता है। सावधानीपूर्वक ही काम करने की चेष्टा करें। इससे आपका आत्म सम्मान बढ़ेगा।

वृष

आज का दिन राज्य मान प्रतिष्ठा तथा उत्तम प्रकार की धन संपत्ति दायक है। आज चन्द्रमा भी प्रथम भाव में सुख शांति कारक है। ऐसे में व्यवसाय के क्षेत्र में नए सहयोगी मिलेंगे। इस दौरान आपको लाभ के अवसर भी प्राप्त होंगे।

मिथुन

आजं आपका दिन अधिक भागदौड़ और विशेष चिन्ता में व्यतीत होगा। पत्नी के स्वास्थ्य को लेकर सावधान रहें। अतिथि और मेहमान भी कुछ लंबा पड़ाव डालना चाह रहे हैं। घर में मांगलिक कार्यक्रमों की रुपरेखा बनेगी। मौसम विकार से बचे अन्यथा अस्पताल के चक्कर लगाने पड़ेंगे।

कर्क

आज का दिन उत्तम संपत्ति की प्राप्ति की ओर संकेत कर रहा है, जिसमें कुछ खर्च भी संभव है। संतान पक्ष से हर्ष वर्धक समाचार व परिवार में आमोद -प्रमोद का वातावरण रहेगा। बहुत समय से रुके हुए किसी कार्य को बनाने की चेष्टा करें।

सिंह

आज का दिन भाग्य वृद्धि में सहायक सिद्ध हो रहा है। व्यावसायिक स्थान परिवर्तन आपके लिए अच्छा मोड़ सिद्ध होगा। व्यापार में सहयोगी के प्रति सच्ची निष्ठा और सुमधुर वाणी रखने से आप लोगों का दिल जीत सकते हैं। कार्यालय में अति न करे, धार्मिक आयोजन होंगे।

कन्या

आज आपके पास अनेक प्रकार के लोग आश्रय लेने आ सकते हैं। ऐसे में आपको सभी का सम्मान करना होगा। यही लोग आगे चलकर आपके काम आएंगे। नौकरी या व्यवसाय के क्षेत्र में चुप रहना ही आज लाभकारक रहेगा। बहस व टकराव से बचें। जल्दबाजी में लिया गया फैसला आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकता है।

तुला

आज का दिन शुभ व्यय व मन संतोष कारक है। आज का दिन आनंद में बीतेगा। वृष का चन्द्रमा सौन्दर्य में वृद्धि करेगा। किसी निकट मित्र की सलाह व सहयोग से आप अपने बिगड़े काम ठीक कर सकते हैं, समय का लाभ उठाएं।

धनु

आज अकस्मात् बड़ी मात्रा में धन की प्राप्ति करा कर कोष वृद्धि कर सकता है। आप अपने बलबूते पर ही अपनी समस्याओं का समाधान निकालने का प्रयास करें-इससे कोई स्थाई सफलता मिल जायेगी। कोई बड़ा खर्च भी एकाएक आ सकता है पर आप उसको आराम से निपटा लेंगे जो कि आगे जाकर फायदेमंद सौदा होगा।

कुंभ

आज का दिन भाग्य वृद्धि करेगा। धन कर्म कीर्ति की वृद्धि होगी। शत्रु चिंता का दमन, प्रबल से प्रबल विरोधियों के होने पर भी अन्त में सर्वत्र विजय विभूति सफलता की प्राप्ति हर्ष मंगलमय परिवर्तन होंगे। अपने कार्यालय में व्यवहार बनाकर रखें।

वृश्चिक

आज का दिन विजय विभूति कारक है। कामकाज को सुधारने में विशेष योगदान दे रहा है। किसी विशेषज्ञ की सलाह आपके लिए आगे चलकर उपयोगी सिद्ध होगी। आपके मौज बहार के दिन आने वाले हैं। कहीं धार्मिक यात्रा पर जाने का अवसर मिलेगा। परिवार में खुशियां रहेंगी।

मकर

आज का दिन कुछ अधिक व्यस्तता का संकेत दे रहा हैं। व्यापार व्यवसाय की तरफ ध्यान देना आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए। दोपहर तक आप अपना बिखरा हुआ कारोबार सही तरीके से समेट लें, हो सकता है आगे समय न मिले।

मीन

आज का दिन मनोरथ सिद्धि कारक है। घरेलू स्तर पर भी मांगलिक कार्यों का आयोजन हो सकता है। धार्मिक कार्यों में रूचि व निकट की यात्रा भी संभव है। रात्रि का कुछ समय परिवार के साथ बिताएं तो अच्छा रहेगा।

3-नैनोमीटर चिप बनाने की तैयारी में सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मंगलवार को कहा कि सरकार का लक्ष्य 2032 तक आधुनिक स्मार्टफोन और कंप्यूटर जैसे उत्पादों में इस्तेमाल होने वाले 3-नैनोमीटर नोड के उच्च तकनीक वाले छोटे चिप बनाने का है। मंत्री ने कहा कि डिजाइन आधारित प्रोत्साहन योजना के दूसरे चरण के तहत सरकार चिप की छह श्रेणियों कंप्यूट, रेडियो फ्रीक्वेंसी (आरएफ), नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी पर ध्यान केंद्रित करेगी। इससे देश की कंपनियों को 70ङ्क75 प्रतिशत प्रौद्योगिकी उत्पादों के विकास पर प्रमुख नियंत्रण मिल सकेगा।

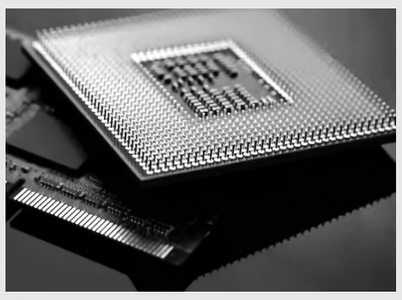

डीएलआई योजना के तहत चयनित 24 चिप डिजाइन कंपनियों के साथ बैठक के बाद मंत्री ने कहा, 2032 तक हमारा लक्ष्य 3-नैनोमीटर चिप के डिजाइन और विनिर्माण के स्तर तक पहुंचना है। डिजाइन का काम तो हम आज भी कर रहे हैं, लेकिन विनिर्माण के स्तर पर 3-नैनोमीटर तक पहुंचना होगा। वैष्णव ने कहा कि सरकार छह प्रमुख प्रणालियों पर ध्यान देना चाहती है, ताकि देश के पूरे सेमीकंडक्टर डिजाइन क्षेत्र समग्र और व्यापक रूप से विकसित किया जा सके।

कहां आएगी काम

मंत्री ने कहा, कंप्यूट, आरएफ, नेटवर्किंग, ऊर्जा, सेंसर और मेमोरी इन छह प्रमुख श्रेणियों में हम शिक्षा जगत और उद्योग को नए विचार, नई सोच और नए समाधान लेकर आने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।

एनर्जी कंपनी को मिल रहा दनादन ऑर्डर

शेयर खरीदने की लूट

नई दिल्ली, एजेंसी। सुजलॉन एनर्जी के शेयर बुधवार, 28 जनवरी को फोकस में रहे और करीब 3 फीसदी तक चढ़ते नजर आए। कंपनी को दिग्गज स्टील निर्माता आर्सेलरमित्तल समूह से अब तक का पहला बड़ा ऑर्डर मिला है। एक्सचेंज फाइलिंग में सुजलॉन ने बताया कि उसे आर्सेलरमित्तल की भारत स्थित रिन्यूएबल एनर्जी यूनिट से 248.85 मेगावाट का विंड एनर्जी प्रोजेक्ट मिला है। इस ऑर्डर के बाद निवेशकों में कंपनी को लेकर पॉजिटिव माहौल देखने को मिला।

यह प्रोजेक्ट गुजरात के बच्छाऊ इलाके में लगाया जाएगा और यह आर्सेलरमित्तल निप्पॉन स्टील के भारत स्थित प्लांट्स के लिए कैप्टिव इस्तेमाल के तौर पर होगा। सुजलॉन इस प्रोजेक्ट में 79 विंड टरबाइन जनरेटर सप्लाई करेगी, जिनकी क्षमता 3.15 मेगावाट प्रति टरबाइन होगी। यह ऑर्डर गुजरात में चल रहे 550 मेगावाट के हाइब्रिड प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसमें सुजलॉन को विंड पावर का काम सौंपा गया है। कंपनी के लिए यह ऑर्डर इसलिए भी अहम है क्योंकि यह पिछले एक साल में ग्रीन स्टील से जुड़ा चौथा ऑर्डर है। इस नए प्रोजेक्ट के साथ गुजरात में सुजलॉन की कुल इंस्टॉल्ड कैपेसिटी बढ़कर 4.5 गीगावाट हो गई है।

कॉपर की कीमतों में उछाल, एसी-फ्रिज हो गए महंगे

लोगों को नहीं मिल रहा जीएसटी रिफॉर्म का फायदा

नई दिल्ली, एजेंसी। इलेक्ट्रॉनिक सामान खरीदने की सोच रहे हैं तो एक बुरी खबर है। कॉपर (तांबा) की कीमतों में लगातार बढ़ोतरी का असर अब सीधे बाजार में दिखने लगा है। इलेक्ट्रिकल और इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में हर हफ्ते कीमतों में बदलाव हो रहा है। इससे कारोबारियों की टेंशन बढ़ गई है दावा है कि जनवरी में ही एसी, फ्रिज समेत कई इलेक्ट्रॉनिक आइटम के दाम में तेजी आ चुकी है। साथ ही आने वाले दिनों में कॉपर से बने हर आइटम की कीमत में करीब 10 प्रतिशत की वृद्धि होगी। यानी बढ़ती महंगाई की वजह से जीएसटी रिफॉर्म का फायदा लोगों को नहीं मिल सकेगा। जानकारी के मुताबिक, एसी, फ्रिज, पंखे समेत कई ऐसे आइटम हैं, जिनका इस्तेमाल हर घर में होता है। पिछले साल केंद्र सरकार ने जीएसटी रिफॉर्म का तोहफा दिया था, जिससे कार से लेकर एसी टीवी समेत कई इलेक्ट्रॉनिक आइटम की कीमतों में गिरावट आई है। लोगों ने सरकार की इस पहल की जमकर तारीफ भी की लेकिन अब यह राहत मिलना मुश्किल हो जाएगा।

चांदी पहली बार 3.75 लाख के पार

सोना भी ऑल टाइम हाई पर

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी के रेट आज बुधवार, 28 जनवरी को 6 प्रतिशतबढ़कर एक और नया रिकॉर्ड बना दिए। यह पहली बार 3.75 लाख रुपये प्रति किलो के पार चली गई। ऐसा तब हुआ जब अमेरिकी डॉलर कई वर्षों के निचले स्तरों के पास दबाव में रहा और निवेशक अमेरिकी फेडरल रिजर्व की नीति निर्णय तथा जारी भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से पहले सतर्क रहे। अमेरिकी डॉलर की कमजोरी ने डॉलर में मापी जाने वाली वस्तुओं को आकर्षक बना दिया, जिससे कीमती धातुओं को व्यापक समर्थन मिला। एमसीएक्स पर चांदी की कीमत 6 प्रतिशतउछलकर नए रिकॉर्ड 3,77,655 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई।

वैश्विक बाजारोंमें, स्पॉट सिल्वर की कीमत लगभग 0.6 प्रतिशतबढ़कर 113.63 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई। इससे पहले इस सप्ताह यह 117.69 डॉलर के नए कीर्तिमान को छू चुकी थी। मजबूत निवेश मांग, आपूर्ति की कठिन परिस्थितियों और डॉलर के कमजोर माहौल के चलते इस सफेद धातु में इस साल अब तक लगभग 60 प्रतिशत की वृद्धि हो चुकी है।

सोने ने भी बनाया नया रिकॉर्ड- सोने ने भी अपनी रिकॉर्डतोड़ रैली जारी रखी और वैश्विक बाजारों में पहली बार 5,200 डॉलर का स्तर पार कर गया। घरेलू बाजार में, सुबह के कारोबार में एमसीएक्स पर सोने की कीमत लगभग 2 प्रतिशतबढ़ गई।

अन्य कीमती धातुओं में भी तेजी- शुरुआती एशियाई व्यापार में स्पॉट सोना लगभग 0.6 प्रतिशतबढ़कर 5,219.97 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गया, जो 5,224.95 डॉलर के नए शिखर को छूने के बाद हुआ। इस वर्ष की शुरुआत से अब तक कीमतों में 20 प्रतिशतसे अधिक की वृद्धि हुई है। अन्य कीमती धातुएं भी ऊपर कारोबार कर रही थीं। स्पॉट प्लैटिनम 1.5 प्रतिशतबढ़कर 2,679.15 डॉलर प्रति औंस हो गया, जबकि पैलेडियम 0.9 प्रतिशतबढ़कर 1,951.93 डॉलर प्रति औंस पर पहुँच गया।

डॉलर की कमजोरी और फेड पर नजर

इस बीच, अमेरिकी डॉलर चार वर्ष के निचले स्तर के आसपास बना हुआ है। बाजार के सहभागियों ने इसे मुद्रा में विश्वास कम होने का संकेत बताया। अमेरिकी उपभोक्ता विश्वास में तेज गिरावट ने भावनाओं को और नीचे झटका दिया, जो 11 वर्षों में सबसे कमजोर स्तर पर आ गया है।

यह श्रम बाजार में मंदी और लगातार उच्च कीमतों के आसपास की चिंताओं को उजागर करता है। अब सबकी नजर फेडरल रिजर्व पर है, जिसके जनवरी की नीति बैठक में ब्याज दरें अपरिवर्तित रखने की व्यापक उम्मीद है, भले ही वर्ष के अंत में दरें कम होने की अपेक्षाएं बन रही हैं।

लगातार टूट रहा था टाटा का यह शेयर

अब आई तूफानी तेजी, 324 रुपये पर पहुंचा दाम

नई दिल्ली, एजेंसी। टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर लगातार लुढ़क रहे थे, कंपनी के शेयरों में अब तूफानी तेजी आई है। तेजस नेटवर्क्स के शेयर बुधवार को क्रश्च में 9 पर्सेंट से अधिक की तेजी के साथ 324 रुपये पर पहुंच गए हैं। टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में पिछले एक महीने में 28 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। वहीं, पिछले 3 महीने में तेजस नेटवर्क्स के शेयर 40 पर्सेंट से अधिक टूट गए हैं। तेजस नेटवर्क्स के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 75 पर्सेंट से ज्यादा लुढ़क गए हैं।

टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स के शेयर अपने ऑल टाइम हाई लेवल से 77 पर्सेंट से अधिक टूट गए हैं। तेजस नेटवर्क्स के शेयर

27 जून 2024 को 1495.10 रुपये पर थे। कंपनी के शेयर 28 जनवरी 2026 को 324 रुपये पर जा पहुंचे हैं। अगर पिछले एक साल की बात करें तो तेजस नेटवर्क्स के शेयरों में 61 पर्सेंट से अधिक की गिरावट देखने को मिली है। इस साल अब तक टाटा ग्रुप की इस कंपनी के शेयरों में 27 पर्सेंट से ज्यादा की गिरावट आई है। तेजस नेटवर्क्स के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 948.05 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 294.10 रुपये है।

तेजस नेटवर्क्स को हुआ है 196 करोड़ रुपये से ज्यादा का घाटा- टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स को चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में 196.55 करोड़ रुपये का कंसॉलिडेटेड घाटा हुआ है। इस घाटे की मुख्य वजह कमजोर सेल्स रही है। एक साल पहले की समान अवधि में टाटा ग्रुप की कंपनी तेजस नेटवर्क्स को 165.67 करोड़ रुपये का मुनाफा हुआ था। अक्टूबर-दिसंबर 2025 तिमाही में तेजस नेटवर्क्स का कंसॉलिडेटेड रेवेन्यू करीब 88 पर्सेंट घटकर 306.79 करोड़ रुपये पहुंच गया है, एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का रेवेन्यू 2642 करोड़ रुपये था। चालू वित्त वर्ष के 9 महीनों में तेजस नेटवर्क्स को 697.55 करोड़ रुपये का लॉल हुआ है।

एसबीआई म्यूचुअल फंड का आने वाला है बड़ा आईपीओ

अप्रैल तक लिस्टिंग का प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत की सबसे बड़ी म्यूचुअल फंड कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, अपने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए फरवरी के मध्य तक अपना ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस दाखिल कर सकती है। कंपनी के अप्रैल तक शेयर मार्केट में लिस्ट होने की उम्मीद है। एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया और फ्रांसीसी एसेट मैनेजर अमुंदी की संयुक्त उपक्रम है। आईपीओ में, एसबीआई अपनी 6.3 प्रतिशतहिस्सेदारी और अमुंदी अपनी 3.7 प्रतिशतहिस्सेदारी बेचेगी। इस तरह कुल 10 प्रतिशतहिस्सेदारी की बिक्री होगी। कंपनी के पास 31 दिसंबर तक 12.5 लाख करोड़ रुपये की औसत संपत्ति प्रबंधन में थी। वित्त वर्ष 2025 में इसका शुद्ध लाभ 2,531 करोड़ रुपये रहा। निवेश बैंकरों ने कंपनी का मूल्य 12 से 14 अरब डॉलर आंका है और 1.2 से 1.4 अरब डॉलर के आईपीओ का सुझाव दिया है।

आईपीओ प्रॉसेस

लक्ष्य फरवरी के मध्य या तीसरे सप्ताह तक ड्राफ्ट प्रॉस्पेक्टस दाखिल करने का है, ताकि अप्रैल में आईपीओ ओपन हो सके। हालांकि, यह बाजार की स्थितियों और भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की मंजूरी पर निर्भर करेगा, जिसमें आमतौर पर दो से तीन महीने लगते हैं।

- **मूल्यांकन पर चर्चा और बैंकर-** विभिन्न निवेश बैंकोंने अलग-अलग मूल्यांकन पेश किए हैं। अंतिम मूल्यांकन दाखिल करने के समय के करीब तय किया जाएगा। एसबीआई कैपिटल मार्केट्स, कोटक महिंद्रा कैपिटल, एक्सिस बैंक सहित नौ बैंकों को इस आईपीओ का प्रबंधन सौंपा गया है। पहले सिटिग्रुप और जेपी मॉर्गन जैसे कुछ बड़े बैंक शुल्क को लेकर मतभेद के चलते इस सौदे से अलग हो गए थे।

भारतीय आईपीओ मार्केट का क्या है माहौल

भारतीय आईपीओ बाजार गर्म है। वर्ष 2025 में 103 कंपनियों ने 1.76 लाख करोड़ रुपये जुटाए। इसी तरह, आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल एसेट मैनेजमेंट का 1.2 अरब डॉलर का आईपीओ पिछले महीने आया था और केनरा रोबेको एसेट मैनेजमेंट अक्टूबर में सूचीबद्ध हुई थी। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से उनकी सहायक कंपनियों को सूचीबद्ध करने के लिए कहा गया है।

निर्यात होगा दोगुना, लाखों नए रोजगार के अवसर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत -यूरोपीय संघ ने मुक्त व्यापार समझौता आधुनिक और नियम-आधारित व्यापार साझेदारी के रूप में तैयार किया है, जो मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बीच दोनों पक्षों को और करीब लाएगा। समझौते के लागू होने पर यूरोप से आने वाली लग्जरी कारें, चॉकलेट, शराब, वाइन, बिना तैयार हुए हीरे, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिक सामान सस्ते होंगे।

समझौते के तहत भारत के 99 फीसदी से ज्यादा निर्यात को यूरोपीय संघ से जुड़े बाजारों पहुंच मिलेगी। वहीं, संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है। भारतीय कारोबारियों खासकर छोटे और मझोले उद्यमियों (एमएसएमई) को लंबे समय के लिए स्थिर और भरोसेमंद बाजार मिलेगा। इससे वह यूरोप की आपूर्ति श्रृंखला का हिस्सा बन सकेंगे और निवेश की बेहतर योजना बना पाएंगे।केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा, ÷इससे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को बड़ा फायदा होगा और मेक इन इंडिया को नई ताकत मिलेगी। देश में छोटे-मझोले उद्योगों को समझौते से व्यापक स्तर पर लाभ होगा। भविष्य में युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी तेजी से पैदा होंगे।÷ बताया जा रहा है कि भारत को यूरोपीय बाजार में 97 फीसदी टैरिफ लाइनों पर प्राथमिकता मिलेगी, जो व्यापार मूल्य के हिसाब से 99.5 फीसदी है। समझौते के लागू होने पर करीब 70 फीसदी उत्पादों पर आयात शुल्क खत्म हो जाएगा। इसमें कपड़ा, चमड़ा, जूते, चाय, कॉफी, मसाले, खिलौने, खेल का सामान, रत्न-आभूषण और समुद्री उत्पाद शामिल हैं।

कोटा सिस्टम के जरिए कम होगा कर- कुछ खास वस्तुओं पर कोटा सिस्टम के तहत कर कम किया जाएगा। इससे करीब 2.87 लाख करोड़ रुपये के ऐसे निर्यात को सीधा फायदा मिलेगा, जिन पर अभी यूरोप में चार से 26 फीसदी तक कर लगता है। भारत यूरोपीय संघ के 92 फीसदी से ज्यादा उत्पादों पर कर में राहत देगा, जिससे हाई-टेक मशीनरी और आधुनिक तकनीक भारत में सस्ती मिलेगी और उद्योगों की लागत घटेगी।

50,000 उधार लेकर शुरू किया काम, भाई-बहन हुए फेल

नई दिल्ली, एजेंसी। स्ट्रीट फूड का बिजनेस अक्सर सबसे आसान और कम रिस्क वाला माना जाता है। लेकिन, महाराष्ट्र के ठाणे में रहने वाले 23 साल के गणेश साठे की कहानी इसके बिल्कुल उलट है। उन्होंने साल 2023 में एक पुराने ठेले के साथ अपने बेन्ने डोसा के सफर की शुरुआत की थी। यह शुरुआती दौर में भारी नुकसान और मानसिक तनाव का कारण बना। बहन सपना साठे के साथ मिलकर उन्होंने अपनी असफलताओं से सीखा। बेंगलुरु के डोसा कल्चर को समझा। रतन टाटा के विचारों से प्रेरणा ली। अक्टूबर 2025 में नए सिरे से लॉन्च हुए द बेन्ने ने आज रोजाना 40,000 रुपये की बिक्री का आंकड़ा छू लिया है। यह एक छोटी सी शुरुआत की बड़ी जीत को दर्शाता है। आइए, यहां गणेश साठे की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

पहली शुरुआत में बड़ा फेलियर- गणेश साठे सीए की पढ़ाई कर रहे थे। हमेशा से वह खुद का कुछ करना चाहते थे। जनवरी 2023 में उन्होंने माता-पिता से 50,000 रुपये उधार लेकर घर के पुराने ठेले पर अपनी मां के हाथ के स्वादिष्ट बेन्ने डोसा बेचना शुरू किया। लेकिन, बाजार की प्रतिस्पर्धा, खराब लाइटिंग वाले ठेले और बारिश के मौसम ने उनके हौसले तोड़ दिए। जहां वीकेंड में 3,000 रुपये की कमाई होती थी, वह गिरकर 200 रुपये पर आ गई। भारी नुकसान के कारण 2024 के मध्य में एक समय ऐसा आया जब गणेश टूट गए और उन्होंने रोते हुए काम बंद करने का फैसला कर लिया। बेन्ने डोसा कर्नाटक के दावणगेरे की प्रसिद्ध डिश है। इसमें बेन्ने का मतलब मक्खन होता है। इसे भारी मात्रा में शुद्ध सफेद मक्खन के साथ तैयार किया जाता है।

ऐसे हुआ गलतियों का एहसास- हार मानकर घर बैठे गणेश और उनकी बहन सपना को नई दिशा तब मिली जब वे बेंगलुरु के मशहूर रामेश्वरम कैफे गए। वहां के डोसा कल्चर को देखकर उन्हें अपनी गलतियों का एहसास हुआ। उन्होंने नए सिरे से शुरुआत करने की ठानी। इसी दौरान रतन टाटा की एक पोस्ट ने गणेश में नई ऊर्जा भर दी। इसके बाद उन्होंने अपने ठेले पर रतन टाटा से प्रेरित लिखवाया। उन्होंने अपनी मां को फिर से राजी किया और 30,000 रुपये के छोटे से ऑनलाइन लोन और मां की मदद से अपने ठेले को एक नया और प्रीमियम लुक दिया।

ठेले से पक्की दुकान तक का सफर- नगर निगम की चुनौतियों और बढ़ती भीड़ को देखते हुए अब गणेश और सपना ने अपने व्यवसाय को स्थाई बनाने का फैसला लिया है। ग्राहकों को डोसे के लिए 20-30 मिनट का इंतजार न करना पड़े, इसलिए उन्होंने अपनी मेहनत की कमाई और माता-पिता के सहयोग से ठाणे में ही एक पक्की दुकान सुरक्षित कर ली है। दिलचस्प बात यह है कि यह दुकान उसी स्थान पर है जहां उन्होंने 2023 में पहली बार अपना ठेला लगाया था।

HIMACHAL PRADESH
JAL SHAKTI DEPARTMENT

NOTICE INVITING e-TENDER

Online bids on item rate basis are invited by the Executive Engineer, Jal Shakti Division, Arki on behalf of Governor of Himachal Pradesh, in electronic tendering system in two covers for the under mentioned work from the contractors/firms of (C & D) class enlisted with Himachal Pradesh Jal Shakti Vibhag State/CPWD irrigation Department, Public Health Department PSU autonomous body of Center/State Govt. Department.

Sr. No.	Description of work	Estimated cost	Earnest Money	Time	Cost of Bid form
1	Restoration and repair of various water supply schemes under JSV Division Arki in Tehsil Arki, District Solan HP SH_ Survey and Investigation including preparation of DPR for the scheme Construction of multi villages water supply scheme MVWSS for Arki constituency from Kol Dam reservoir on Satluj near Padyar in Tehsil Arki District Solan HP 2nd call	4,95,000.00	9,900.00	One Month	500/-

Bids are to be submitted online which are to be encrypted and digitally signed by the Contractor/Firms. The bidders are advised to obtain digital signature certificate (DSC) from the suitable venders or any authorized agency at the earliest.

Key Dates :-

1.	Site Visit	**28.01.2026 to 01.02.2026 on working day time 10:00 AM to 5:00 PM**
2.	Date of online publication.	**28.01.2026 at 04.00 PM**
3.	Bid submission Start date and time.	**28.01.2026 at 04.30 PM**
4.	Bid Submission end date and time.	**Upto 03.02.2026 at 11.00 AM**
5.	Date of opening Bid i.e. eligibility criteria.	**03.02.2026 at 11.30 AM**
6.	Date of opening of financial bid.	**Date, time and place be notified separately.**

Last date of filling/uploading the tender through e-tendering 03.02.2026 up-to 11.00 AM and will be **opened on 03.02.2026 at 11.30 AM**. The tender forms and other detailed conditions can be obtained from the website **www.hptenders.gov.in**

Executive Engineer,
Jal Shakti Division, Arki.

R.No. 5954/2025-2026

HIMACHAL PRADESH
PUBLIC WORKS DEPARTMENT

Short term E-Procurement Notice

INVITATION FOR BIDS (IFB)

The Executive Engineer HP PWD Division Nalagarh Distt. Solan HP on behalf of Governor of HP invites the online bids on percentage rate, in electronic/ nic tendering system,in 2 cover system for the under mentioned work from the eligible and approved contractors.firms registered with HPPWD Department.

Job No	(SH:-P/L Patch work (MSS) in Km Name of Work	Estimated Cost (In Rs.)	Earnest Money (In Rs.)	Time Allowed	Cos,of Form	Eligibility of Contractor
1	R/R Damages on Shera Kalujhinda road(SH:-P/L interlocking tile 80 mm thick(under OFC Deposit)	754929	15100	Two Month	350/-	C &D
2	Construction of Playground at Dhoor Helipad Tehsil Ramshehar Distt Solan (HP)	479333	9600	Three Month	350/-	C &D
3	R/R damages on Sai Bawasni road km 16/00 to 20/200(SH:-C/O R/wall at Km 19/540 to 19/570)	660157	13200	Three Month	350/-	C &D
4	Removal of Slip on Various Road under Ramshhear Sub Diviison HPPWD Ramshehar(SH:-Hard Rock (Blasting Prohibited)	432736	8700	Three Month	350/-	C &D
5	R/R & R/D on various Panchayat Road under Sunna Section HPPWD Sub Diviison Ramshehar(Sh:-Hiring of JCB)	256200	5200	Three Month	350/-	C &D
6	Removal of Slip on Various Road under Ramshhear Sub Division HPPWD Ramshehar (SH:-Hard Rock (Blasting Prohibited)	376292	7600	Three Month	350/-	C &D
7	R/R Damages on various road in section Diggal under Ramshhear Sub Diviison HPPWD Ramshehar(Sh:-Hiring of JCB with breaker on hours basis)	198150	4000	Two Month	350/-	C &D
8	R/R damages on various road in section Diggal under Ramshehar Sub Diviison HPPWD Ramshehar (Sh:-Hiring of JCB and Tipper on hours basis)	317760	6500	Two Month	350/-	C &D
9	R/R Damages on various road in section Sai HPPWD Sub Division Ramshehar (SH:- Hiring of JCB and Tipper on hous basis)	215280	4400	Two Month	350/-	C &D
10	Restoration of Rain Damages on SKRN road km 60/500 to 94/00(SH:-P/L wire crate in R/wall at Rd 84/760 to 84/800)	803561	16100	Three Month	350/-	C &D
11	Restoration of rain damages to Baddi Sheetalpur road (Sh:-Hiring of Poke Lane on Hour Basis for Channelization of Sirsa river at Sheetalpur Bridge)	522000	10500	Three Month	350/-	C &D
12	A/R & M/O on various road section Nalagarh-II under Nalagarh Sub Diviison (Sh:-Hiring of JCB	448350	9000	Six Month	350/-	C &D
13	R/R of Rain Damages on Link Road Village Dharghat km 0/0 to 6/00 (Sh:- C/o 900 mm dia NP-2 HPC at Rd 0/500,B/wall at Rd 0/580 to 0/600 & R/wall at Rd 0/060 to 0/070 & 0/580 to 0/600)	889384	17800	Three Month	350/-	C &D

Availability of Bid Document and mode of submission: The Bid document is available online and bid should be submitted in online mode on website **https://hptenders.gov.in**. Bidder would be requird to register in the web-site which is free of cost. For submission of bids, the bidder is required to have Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized certifying authorities (CA) "Aspiring bidders who have not obtained the user ID and password for participating in e-tendering in HPPWD may obtain the same from the website: **https://hptenders.gov.in**. Digital signature is mandatory to participate in the e-tendering. Bidders already possessing the digital signature issued from authorized CAs can use the same in this tender.

2. Key dates.

1.	**Date of Online Publication**	**27-01-2026 10:00 AM**
2.	**Document Download Start Date**	**27-01-2026 11:00 AM**
3.	**Bid Submission Start and End Date**	**27-01-2026 at 11:00 AM to 05-02-2026 at 10:30 AM**
4	**Date of Opening of Bid**	**05-02-2026 at 11:30 AM**

The bidders are advised to note other details of tendes from the department website **www.hptenders.gov.in.**

Executive Engineer
Nalagarh Division
HPPWD Nalagarh
(On behalf of Governor of Himachal Pradesh

R.No. 5859/2025-2026

कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है मोमबत्ती उत्पादन

मोमबत्ती उत्पादन एक क्रिएटिव काम है। एक अच्छा आर्टिस्ट अच्छा मोमबत्ती उत्पादक बन सकता है। मोमबत्ती उत्पादन में डिजाइन के साथ कलर कॉम्बिनेशन की समझ होना जरूरी है, पर इसकी मैन्युफैक्चरिंग को समझने के लिए ट्रेनिंग लेना जरूरी है। यह एक ऐसा घरेलू उद्योग है, जिसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है।

कच्चा माल

आपको इस उद्योग को करने के लिए दो चीजों की आवश्यकता होती है जिन्हें हम कच्चा माल कहते हैं। पहली चीज है सूत और दूसरी चीज है मोम। सूत तो आपको कहीं भी मिल जायेगा और मोम आपको रिफायनरी से प्राप्त हो जायेगा। आप इन दोनों चीजों की सहायता से मोमबत्ती बनाने का काम कर सकते हैं। इसके अलावा जैल मोमबत्ती बनाने के लिए जैल, खुशबूदार मोमबत्ती के लिए कुछ खास तरह के परफ्यूम और इन्हें सजाने के लिए पत्थर, मोती, सितारे और थ्रेड, वैक्स पिघलाने के लिए बड़े बर्तन और चूल्हा और मोमबत्ती को विभिन्न आकारों में ढालने के लिए सांचों की जरूरत होती है।

प्रशिक्षण

मोमबत्ती उत्पादन (केंडल मेकिंग) में डिप्लोमा तीन महीने से एक साल की अवधि का होता है। प्रशिक्षण के दौरान मोम बनाना, ढांचे का चयन, लौह शीट में धागा डाल कर मोम ढालने का तरीका सिखाया जाता है। इसी कोर्स में डिजाइनर मोमबत्तियां बनानी सिखाई जाती हैं। इसमें मोमबत्ती निर्माण की कला का प्रशिक्षण दिया जाता है। सरकार की तरफ से व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत उद्यमियों को विभिन्न उद्योगों में सशुल्क प्रशिक्षण प्रदान किया जाता है।

मोमबत्ती बनाने के बाद

मोमबत्ती बनाने के बाद आप अपने निकट बाजार में दुकानों से संपर्क बनाइए और कुछ सस्ते में अपना माल, इन लोगों तक पहुंचाने का काम करें। मोमबत्ती बनाने का काम जितना आसान है उतना ही आसान इनको बेचना भी है। आप सिर्फ मोमबत्ती लेकर भी पास की बाजार में बैठ सकते हैं और लोगों को मोमबत्ती बेचकर धन कमा सकते हैं। या फिर सायकिल के द्वारा किसी व्यक्ति से गली-गली में बेच सकते हैं।

शुरुआती खर्च

मोमबत्ती उद्योग कुटीर उद्योग है, इसलिए इसे कम पूंजी में भी शुरू किया जा सकता है। आप दस हजार से एक लाख रुपये तक की पूंजी में इस व्यवसाय को शुरू कर सकते हैं।

सरकारी मदद

मोमबत्ती उत्पादन लघु उद्योग की श्रेणी में आता है। केंद्र और राज्य सरकारों का खादी ग्रामोद्योग इसे बढ़ावा देने के लिए नए-नए प्रोत्साहन और प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाती रहता है। एक सर्वे के अनुसार भारत में मोमबत्ती का बाजार लगभग 8 प्रतिशत की दर से बढ़ रहा है। नए उद्यमियों को सरकार हर तरह की सहायता देती है। महिलाओं, अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति वर्ग से जुड़े लोगों को ऋण में 30 प्रतिशत तक छूट भी मिलती है।

लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट से करें करियर की ब्रांडिंग

ब्रांड मैनेजमेंट एक चुनौतीपूर्ण करियर फील्ड है, जिसमें रोजगार के अवसरों की कमी नहीं है। अगर आपके अंदर सौंदर्यबोध है तो लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट आपके लिए अच्छा करियर हो सकता है। भारत में जिस तरह से दिनोंदिन लग्जरी मार्केट विकसित हो रहा है, उसे देखते हुए इस क्षेत्र में प्रशिक्षित रिटेल और सर्विस के प्रोफेशनल्स के लिए मौके ही मौके हैं।

आज का समय ऐसा है कि 'जो दिखता है, वही बिकता है'। ऐसे में सभी छोटी-बड़ी कंपनियां अपने प्रोडक्ट को आगे बढ़ाने की जुगत में लगी हैं। जम कर ब्रांडिंग कर रही हैं और इन कामों को बखूबी अंजाम देने का काम कर रहे हैं कंपनी के ब्रांड मैनेजर और ब्रांड मैनेजमेंट टीम। ब्रांडिंग के बढ़ते इस्तेमाल ने ब्रांड मैनेजमेंट को युवाओं के लिए एक बेहतर करियर विकल्प के रूप में उभारा है। इन्ही में से एक हैं पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट का कोर्स जिसे करने के बाद आपके लिए करियर के रास्ते खुल जाते हैं।

कोर्स का विवरण

पीजी डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट 16 महीनो का कोर्स है जो अभी-अभी ग्रेजुएट हुए स्टूडेंट्स और किसी भी फील्ड में काम कर चुके प्रोफेशनल्स, लग्जरी की फील्ड में अपने करियर को एक बेहतर रूप देना चाहते हैं उनके लिए है। इस कोर्स के दौरान 10 महीनो का एकेडमिक सेशन होता है, जिसमे एकेडमिक्स के साथ-साथ जॉब ट्रेनिंग भी दी जाती है। एकेडमिक सेशन के बाद स्टूडेंट्स को 6 महीनो की इंडस्ट्री में इंटर्नशिप प्रदान कराई जाती है।

योग्यता

इस कोर्स में एडमिशन लेने के लिए छात्र-छात्राओं का ग्रेजुएट होना जरुरी है। साथ ही स्टूडेंट की लग्जरी और मैनेजमेंट में दिलचस्पी भी होनी बेहद जरुरी होती है। इसके अलावा वो छात्र-छात्राएं जिनकी पर्सनालिटी और कम्यूहनिकेशन स्किल्स अच्छी है और अंग्रेजी में अच्छी पकड़ है, वो इस क्षेत्र में एक सफल तौर पर अपना करियर बना सकते हैं। कोई एक विदेशी भाषा की जानकारी लाभदायक साबित हो सकती है पर यह अनिवार्य नहीं है।

अवसर

पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट कोर्स करने वाले स्टूडेंट्स लग्जरी सेल्स एडवाइजर, विजुअल मर्चेडाइजर, लग्जरी इवेंट प्लानर, ब्रांड हेड, ब्रांड मैनेजर बन सकते हैं। फैशन और लग्जरी कंसल्टेंट या वार्डरोब मैनेजर के तौर पर भी काम पा सकते हैं ऐसा कहना है एलसीबीएस के फाउंडर एवं सीईओ अभय गुप्ता का।

कुछ हटकर

रिटेल में लग्जरी सेक्टर 20 फीसदी सालाना की दर से आगे बढ़ रही है। यह तेजी पिछले कई सालों से जारी है। 2028 तक इस क्षेत्र में लगभग 28 लाख लोगों को रोजगार मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। ऑटोमोबाइल्सल, ज्वैलर्स, घडिय़ां, रियल एस्टेटट, वाइन, ट्रैवल एंड टूरिज्म में नए अवसर रोजगार के लिए वरदान साबित होगा। अभी इसमें सबसे बड़ी समस्या कुशल लोगों की है क्योंकि लग्जरी ब्रांड की सर्विस का अंदाज अलग होता है।

क्या कहते हैं एक्सपर्ट

एलसीबीएस के डायरेक्टर के मुताबिक, पोस्टस ग्रेजुएट डिप्लोएमा इन लग्जरी ब्रांड मैनेजमेंट अपनी तरह का अनूठा और बिलकुल नया कोर्स है, रिटेल की जरूरतें बढ़ रही हैं लेकिन इसमें कुशल लोगों की बेहद कमी है। यह एक शानदार रोजगार का क्षेत्र है जहां संभावनाओं की कमी नहीं है। मौजूदा विश्व परिवेश को देखकर पता चलता है कि आने वाले समय में इस सेक्टर में असीम रोजगार की संभावनाएं हैं। यह उन युवाओं के लिए एक सफल लांचिंग पैड है जिन्होंने अब तक कुछ न कुछ मिस कर दिया है।

वेतन

इस कोर्स के पूरा होने के बाद कॉलेज स्टूडेंट्स को अलग-अलग कंपनीयों में इंटर्नशिप के लिए भेजा जाता है जिसमें बतौर स्टाइपेंड 15 से 25 हजार रुपए मिलते हैं, कोर्स पूरा करते ही अगर आप जॉब के लिए जाते हैं तो शुरूआती सैलरी प्रति माह 40,000 रु. से 50,000 रु. के बीच हो सकता है। तजुर्बे के साथ-साथ सैलरी में इजाफा होता रहता है। इन नौकरियों में वेतन के अलावा कई तरह के इन्सेंटिव और अन्य सुविधाएं भी शामिल हो सकती हैं।

प्रमुख संस्थान

- इंडियन रिटेल स्कूहल, नई दिल्ली
- लग्जरी कनेक्ट बिजनेस स्कूईल, गुडगांव, हरियाणा
- इंडियन इंस्टीटयूट ऑफ मैनेजमेंट एंड स्टनडीज, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज, पुणे
- बिमटेक, ग्रेटर नोएडा, उत्तरप्रदेश
- जेवियर इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ऐंड रिसर्च ऐंड इंटरप्रेन्योरशिप, बेंगलुरु, कर्नाटक

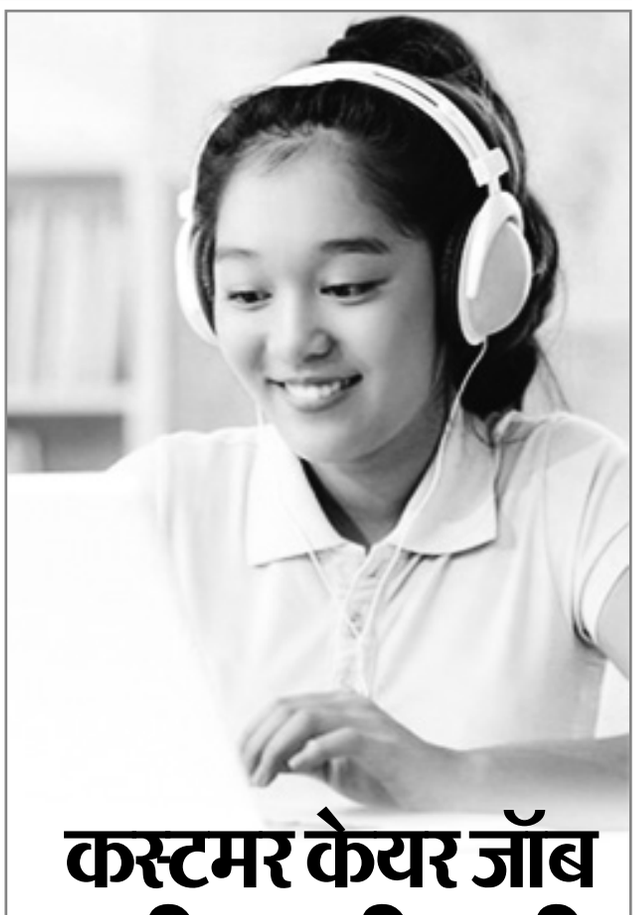

कस्टमर केयर जॉब की कमी नहीं

कस्टमर को समझना और उसकी डिमांड का रिस्पेक्ट कर उसे उत्पाद बेचना इतना आसान काम नहीं है। इसके लिए धैर्य और लगन की जरूरत होती है, साथ ही लगातार आगे बढ़ने के जज्बे की भी जरूरत होती है। वर्तमान में सेवा क्षेत्र ही नहीं, बल्कि अन्य क्षेत्रों में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कस्टमर को किसी भी प्रकार की तकलीफ न हो और उनकी उत्पाद के बारे में क्या राय है आदि के बारे में काफी ध्यान रखा जाता है। इसके अलावा कंपनियाँ लगातार अपने उत्पादों में सुधार करने के लिए ग्राहकों से ही सर्वे के माध्यम से यह जानना चाहती है कि ग्राहक उत्पादों में क्या बदलाव चाहता है। इन सभी के लिए कस्टमर केयर के विशेषज्ञ की जरूरत होती है।

कस्टमर का रखा जाता है पूरा ध्यान

कस्टमर केयर अब केवल निजी क्षेत्र में नहीं, बल्कि सरकारी क्षेत्र में भी कस्टमर केयर का काफी ख्याल रखा जाता है। कई सरकारी संस्थान अपने यहाँ पर कस्टमर केयर अधिकारी की नियुक्ति करने लगे हैं, जो समय समय पर ग्राहकों से न केवल बातचीत करते हैं, बल्कि सर्वे आदि भी करते हैं। इन सर्वे के माध्यमों से वे अपनी संस्थानों को यह भी बताते हैं कि कहाँ पर गलती हो रही है और ग्राहकों को क्या पसंद है। विदेशी कंपनियाँ अपने साथ यह कल्चर लाई है, पर ऐसा भी नहीं है कि इसके पहले देश में कस्टमर केयर की बातें नहीं होती थीं।

इसमें है कई विकल्प

विदेशी कंपनियाँ अपने कस्टमर केयर अधिकारी को किसी भी तरह की समस्या आने पर समस्या को सुलझाने के बाद कस्टमर केयर अधिकारी को उस व्यक्ति के घर पर भेजती है और अधिकारी संपूर्ण बातचीत करने के बाद इस बात का निष्कर्ष निकालता है कि आखिर समस्या कहाँ पर है! कुल मिलाकर कस्टमर केयर का क्षेत्र काफी बड़ा है और इसमें कई तरह के विकल्प युवाओं के लिए मौजूद हैं। सर्विस सेक्टर में कस्टमर केयर को सबसे ज्यादा तरजीह दी जाती है। सर्विस सेक्टर काफी तेजी से बढ़ रहा है और इसमें कई कंपनियाँ अपने उपभोक्ताओं के बीच इस कारण प्रसिद्ध हैं, क्योंकि उनका कस्टमर केयर काफी अच्छा है।

बहुभाषी को है फायदा

बेहतरीन कम्युनिकेशन स्कील्ज और आकर्षक व्यक्तित्व होना पहली जरूरत होती है। अगर आप बहुभाषी हैं तो एयरलाइंस से लेकर पर्यटन के क्षेत्र में आपको काफी महत्व मिल सकता है। इस क्षेत्र में युवा साथी को समाधान खोजी और पहल करने वाला होना चाहिए। ग्राहक को यह लगना चाहिए कि हमारी बात सुनी जा रही है। उत्साह से लबरेज कस्टमर केयर अधिकारी अपनी शालीनता और बोलचाल के माध्यम से कस्टमर को संतोषजनक जवाब दे सकता है। इतना ही नहीं, उन्हें यह भी लगना चाहिए कि आप उनके हित की बात कर रहे हैं।

केवल कॉल सेंटर ही नहीं है कस्टमर केयर

कस्टमर केयर का मतलब केवल कॉल सेंटर से नहीं, बल्कि इसमें कई स्तर है, जिसमें आपको ग्राहकों से न केवल संवाद स्थापित करना है, बल्कि उनकी समस्याओं को सुनकर उचित मार्गदर्शन देकर समस्या को हल भी करना है। ग्राहक सेवा का पर्यटन से लेकर बैंकिंग क्षेत्र में ध्यान रखना पड़ता है। यह धैर्य और समझदारी भरा काम होता है, जिसमें ग्राहक की बातों को ध्यानपूर्वक सुनना शामिल है।

भाग्य से नहीं, परिश्रम से मिलती है सफलता

हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

प्राय- सफलता हमारे बहुत निकट होती है, लेकिन उसको देखने में चूक हो जाने के कारण ही हम असफल हो जाते हैं एक बार एक व्यक्ति ने जल्दी धनवान बनने के इरादे से एक ऐसी जमीन का टुकड़ा खरीदा, जिसमें हीरों के भंडार होने की पूरी संभावना थी। जमीन खरीदने के बाद उसने वहां पर खुदाई का काम प्रारंभ कर दिया। वह महीनों तक दिन-रात खुदाई के काम में लगा रहा, लेकिन उसे कहीं भी हीरों का नामो-निशान नहीं दिखलाई पड़ा। वह निराश हो गया और उसने फैसला किया कि वह यहां और अधिक समय व साधन नष्ट नहीं करेगा। उसने अपना काम समेटकर उस जमीन को कौडियों के दाम बेच दिया और अन्यत्र हीरे की खानों की खोज के लिए निकल पड़ा। वह जमीन खरीदता और उसमें खुदाई करवाता लेकिन हीरे न मिलने पर उस जमीन को सस्ते-मंदे में बेचकर आगे का रास्ता लेता। उसने कहां-कहां नहीं अपने भाग्य को आजमाया, लेकिन वह जहां भी गया असफलता ही उसके हाथ लगी और अंत में एक दिन समुद्र में डूबकर मर गया। इस दौरान जिस व्यक्ति ने उसकी पहली जमीन खरीदी थी, उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ी थी वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी। उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई।

प्रश्न उठता है कि पहले वाले व्यक्ति को काफी दिनों तक लगातार खुदाई करने के बावजूद हीरों वाली सतह क्यों नहीं मिली जबकि बाद वाले व्यक्ति को जल्दी ही हीरों वाली सतह मिल गई। उत्तर स्पष्ट है कि पहले वाले व्यक्ति ने निराश होकर जमीन की खुदाई करना बंद कर दिया था जबकि हीरों की सतह उस जगह से केवल तीन इंच नीचे उपस्थित थी। ऐसा कोई संकेत भी नहीं था कि अब हीरे नहीं मिलेंगे इसलिए खुदाई बंद करने का कोई औचित्य भी नहीं था। अगर वह काम करना बंद नहीं करता, तो उसे बहुत जल्दी ही हीरों की सतह मिल जाती और उसे पूरी दुनिया में भटकना व समुद्र में डूबकर मरना नहीं पड़ता। जहां तक दूसरे व्यक्ति की सफलता का प्रश्न है वह एक समझदार व्यक्ति था और समझदार व्यक्ति के लिए यह अनुमान लगाना कठिन नहीं था कि अब तक की खुदाई में हीरों की सतह नहीं मिल पाई है तो थोड़ा और खोदने पर वह जरूर मिल जाएगी। हीरे तो इसी जमीन में हैं अत- उसने जहां पर पहले वाले व्यक्ति ने खुदाई छोड़ दी थी, वहीं से दोबारा खुदाई प्रारंभ करवा दी और उसे जल्दी ही काफी बड़े भाग में हीरों वाली सतह मिल गई। पहले व्यक्ति ने अपने अविश्वास व निराशा के कारण कार्य करना छोड़ दिया। उसने जिस बिंदु पर कार्य करना छोड़ा वहां सफलता उसके एकदम करीब थी। यदि वह थोड़ा सा और प्रयास करता तो उसका जीवन ही बदल जाता। हमारे साथ भी तो प्राय- ऐसा ही होता है। हम कार्य करते-करते एकदम ऊब उठते हैं और कह देते हैं कि बस अब और नहीं। हम प्राय- उस समय हथियार डाल देते हैं जब सफलता हमारे बहुत करीब होती है। अब इस स्थिति से बचने का क्या उपाय है?

जब तक पूर्ण रूप से सफलता नहीं मिल जाती, तब तक न तो प्रयास करना ही छोड़ें और न विश्वास ही कमजोर पडऩे दें। जीवन का कोई भी क्षेत्र क्यों न हो, हमें अपने संघर्ष को बीच में कदापि नहीं छोडऩा चाहिए। हम निरंतर प्रयास करते रहें इसके लिए हमें अपने अंदर धैर्य विकसित करने का प्रयास करते रहना चाहिए। बस अब और नहीं कहना है तो अपने अविश्वास, भाग्यवादिता, अकर्मण्यता व अपने कमजोर इरादों को कहिए कि बस अब और नहीं। निरंतर अभ्यास करने से न जाने कितने जड़मति व्यक्ति महान विद्वान बन गए। एक तथ्य और बहुत महत्वपूर्ण है और वह यह कि यदि दुनिया में कोई भी व्यक्ति सफल हो सकता है तो हम भी हो सकते हैं। हम इस विश्वास के साथ कार्य करें कि हमें भी अवश्य ही सफलता मिलेगी। कई बार सफलता मिलने में जो थोड़ी सी देर या तीन इंच की दूरी होती है उसी को पार करने पर ही सफलता मिल सकती है अत- घबराकर या निराश होकर काम बीच में छोडक़र भागने से पहले इस तथ्य पर विचार अवश्य कर लें कि कहीं मैं उसी बिंदु पर तो नहीं हूं, जहां अगले ही कदम पर सफलता स्वागत करने को तैयार बैठी है। यही वास्तविकता है अत- छोडऩे से पहले एक अंतिम प्रयास अवश्य करें। यह अंतिम प्रयास तब तक करते रहें जब तक पूर्ण सफलता नहीं मिल जाती। हम कभी यह न मानें कि कुछ लोग भाग्यशाली होते हैं इसलिए उन्हें सफलता मिलती है। सफलता तो परिश्रम व लगातार परिश्रम का परिणाम है। बूंद-बूंद पानी से घड़ा भर जाता है और ग्लेशियरों से बर्फ पिघलकर बूंद-बूंद पानी इकट्ठा होकर बहने से विशाल नदियां प्रवाहमान हो उठती हैं।

थाईलैंड मास्टर्स

अशिमता चालिहा ने थाईलैंड मास्टर्स में बिखेरा जलवा

महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में पहुंची

नई दिल्ली, एजेंसी। अशिमता चालिहा ने दो कड़े मुकाबले जीतकर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 के महिला एकल मुख्य ड्रॉ में प्रवेश किया। अब मुख्य ड्रॉ में उनका सामना साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। भारत की अशिमता चालिहा ने दो कड़े मुकाबलों में जीत दर्ज कर थाईलैंड मास्टर्स सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल वर्ग के मुख्य ड्रॉ में प्रवेश कर लिया। गुवाहाटी की 26 वर्षीय खिलाड़ी, जो सेलंगोर में आयोजित 2024 एशिया टीम चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा थीं, ने क्वालिफिकेशन के अपने पहले मुकाबले में चीनी ताइपे की हंग यी-टिंग को 42 मिनट चले मुकाबले में 21-15, 12-21, 21-12 से हराया।

इसके बाद अशिमता ने कोरिया की किम जू यून की कड़ी चुनौती को पार करते हुए 45 मिनट में 21-11, 10-21, 21-16 से जीत हासिल की। मुख्य ड्रॉ में अशिमता का सामना अब साथी भारतीय खिलाड़ी देविका सिहाग से होगा। अन्य मुकाबलों में, श्रेया लेले को क्वालीफिकेशन दौर में इंडोनेशिया की नी कादेक धिंदा अमर्त्या प्रतिवी से 12-21, 21-12, 15-21 से हार का सामना करना पड़ा।
मिक्स्ड डबल्स क्वालिफिकेशन में एम जगलान और एल जगलान की जोड़ी को चीनी ताइपे के बो-युआन चेन और सुंग यी-शुआन ने एकतरफा मुकाबले में 21-12, 21-8 से पराजित किया।
पुरुष युगल में पी कृष्णमूर्ति रॉय और एस प्रथीक के की जोड़ी मलयेशिया की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी एन अजरीन और टैन डब्ल्यू के से 20-22, 20-22 से हार गई। वहीं महिला युगल में अश्विनी भट्ट के और शिखा गौतम की जोड़ी को इंडोनेशिया की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी एफ कुसुमा और एम पुस्पितासारी से 33 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 12-21 से हार झेलनी पड़ी।

अंडर-19 वर्ल्ड कप

लगातार चौथी जीत के बाद बोले भारतीय कप्तान आयुष म्हात्रे

इस खिलाड़ी की तारीफ की

बुलावायो (जिम्बाब्वे), एजेंसी। भारत ने आईसीसी अंडर-19 पुरुष क्रिकेट वर्ल्ड कप में जिम्बाब्वे को हराकर लगातार चौथी जीत हासिल की है। मेजबान जिम्बाब्वे के खिलाफ 204 रन की जीत इस बात का सबूत है कि इस टीम में कितनी प्रतिभा है। ढ्ढष्ट वेबसाइट के अनुसार वे सेमीफाइनल क्वालिफिकेशन के कगार पर हैं, उन्होंने ङ्क्र, बांग्लादेश और न्यूजीलैंड के खिलाफ भी जीत हासिल की है। लेकिन यह जीत इस टीम को वर्ल्ड कप के अहम पड़ाव के लिए

बेहतर तरीके से तैयार करने में मदद करती है; यह उनकी पहली जीत थी जो ष्ठरुस्र् मेथड से प्रभावित नहीं हुई और यह पहली बार था जब उन्होंने पूरे 50 ओवर खेले जिसमें उन्होंने शानदार 352/8 रन बनाए, जो जिम्बाब्वे के लिए पीछा करने के लिए बहुत ज्यादा रन थे।
विहान मल्होत्रा प्लेयर ऑफ द मैच के लिए एक बेहतरीन पसंद थे, जिन्होंने 109* रन बनाए। भारत का 352 का स्कोर अब तक वर्ल्ड कप में बनाया गया चौथा सबसे बड़ा टोटल है। तीन विकेट लेने वाले कप्तान आयुष म्हात्रे ने मल्होत्रा के बल्ले से निभाई गई भूमिका का श्रेय देने में कोई देरी नहीं की। म्हात्रे ने मैच के बाद कहा, 'विहान सच में बहुत अच्छा कर रहा है।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः जेसिका पेगुला ने अमांडा अनिसिमोवा को हराकर

पहली बार सेमीफाइनल में जगह बनाई

मेलबर्न, एजेंसी। जेसिका पेगुला ने पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। क्वार्टर फाइनल में पेगुला ने अमांडा अनिसिमोवा को 6-2, 7-6(1) से हराया। दुनिया की नंबर 6 खिलाड़ी पेगुला ने 1 घंटे 35 मिनट तक चले क्वार्टरफाइनल में शानदार प्रदर्शन किया और दमदार जीत हासिल की। इस जीत से पेगुला अपने करियर में तीसरी बार और यूएस ओपन के बाहर पहली बार किसी मेजर ग्रैंड स्लैम के आखिरी चार में पहुंची हैं। सेमीफाइनल में पेगुला का मुकाबला एलेना रायबाकिना से होगा। इससे पहले पेगुला पिछले चार ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में हार चुकी थीं, लेकिन इस मैच में उन्होंने दोनों विंग्स से गहराई और सटीकता के साथ खेल को शुरू में ही कंट्रोल किया, और दो बार अनिसिमोवा की सर्विस तोड़कर पहला सेट अपने नाम किया। दूसरा सेट उतार-चढ़ाव वाला रहा। अनिसिमोवा ने अपना लेवल बढ़ाया, अपने आक्रामक बेसलाइन गेम पर ध्यान दिया, और पेगुला को आगे नहीं बढ़ने दिया। नंबर 4 सीड ने हिम्मत दिखाई, बराबरी पर रहीं, और मैच पॉइंट्स बचाकर सेट को टाईब्रेक में पहुंचा दिया, लेकिन एक बार वहां पहुंचने के बाद, पेगुला को कोई छू नहीं सका। पेगुला ने शुरू से ही ब्रेकर पर दबदबा बनाया, बिना डरे सर्विंग और तेज रिटर्न के दम पर लगातार सात पॉइंट्स बनाए। बढ़ते दबाव में अनिसिमोवा ने गलतियां कीं, जबकि पेगुला की रफ्तार और सटीकता निर्णायक साबित हुई।

इस जीत ने अनिसिमोवा के खिलाफ पेगुला का बिना हारे रिकॉर्ड 4-0 कर दिया। यह किसी अमेरिकी विरोधी के खिलाफ उनकी लगातार आठवीं ग्रैंड स्लैम जीत थी। जेसिका पेगुला तीन दशकों से ज्यादा समय में एक ही ऑस्ट्रेलियन ओपन में तीन हमवतन खिलाड़ियों को हराने वाली पहली अमेरिकी महिला भी बनीं, इससे पहले उन्होंने टूर्नामेंट में मैककार्टनी केसलर और डिफेंडिंग चैंपियन मैडिसन कीज को हराया था।

मैच के बाद जेसिका ने कहा, 'यह बहुत बढ़िया है। मैं पिछले कुछ सालों में यूएस ओपन के अलावा अन्य मेजर ग्रैंड स्लैम में आगे नहीं जा पाई थी। यह पहला स्लैम था जिसमें मैंने सच में कमाल कर दिया। मैं तीन बार, और फिर इस साल, चार बार क्वार्टर फाइनलिस्ट थी। मुझे यहां के हालात पसंद हैं। मैं यहां बहुत अच्छा टेनिस खेल पा रही हूं। इसलिए मैं सेमीफाइनल का इंतजार कर रही थी।'

इगा स्वियाटेक बड़ी उलटफेर का शिकार

ऑस्ट्रेलियन ओपनः एलेना रायबाकिना से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हुईं

मेलबर्न, एजेंसी। ऑस्ट्रेलियन ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना ने दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी इगा स्वियाटेक को सीधे सेटों में 7-5, 6-1 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। रॉड लेवर एरिना में खेले गए इस मुकाबले में रायबाकिना की ताकतवर और सटीक गेम ने स्वियाटेक की करियर ग्रैंड स्लैम जीतने की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। इगा स्वियाटेक और एलेना रायबाकिना के बीच ये मुकाबला 93 मिनट तक चला। दोनों ही अपने 12वें आमने-सामने के मैच में लय तलाशती दिखीं। शुरुआती गेम्स में सर्विस पर पकड़ ढीली रही और ब्रेक का सिलसिला चलता रहा। हालांकि निर्णायक मौकों पर रायबाकिना ने खुद को बेहतर तरीके से संभाला और पहले सेट में अहम बढ़त बनाते हुए 7-5 से अपने नाम किया। पहले सेट के बाद मुकाबले की दिशा पूरी तरह बदल गई। दूसरे सेट में रायबाकिना ने आक्रामक खेल दिखाया और स्वियाटेक को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। उन्होंने आखिरी नौ में से आठ गेम जीतकर मुकाबले पर पूरी तरह नियंत्रण बना लिया। इस जीत के साथ ही रायबाकिना ने स्वियाटेक के खिलाफ अपना आमने-सामने का रिकॉर्ड 6-6 से बराबर कर लिया। इस मैच में सर्विस

का बड़ा रोल रहा। स्वियाटेक की पहली सर्विस केवल 49 प्रतिशत ही सफल रही, जिसका फायदा रायबाकिना ने लगातार उठाया। रायबाकिना ने पहले सेट में 0-40 की स्थिति से शानदार वापसी की और इसके बाद अपने अगले आठ सर्विस गेम में सिर्फ 12 अंक गंवाए।

रायबाकिना ने पिछले अक्टूबर से 19 में से 18 मुकाबले जीते हैं। यह उनकी लगातार आठवीं टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ जीत है। 2022 विंबलडन चैंपियन रायबाकिना अब सेमीफाइनल में अमांडा अनिसिमोवा और जेसिका पेगुला के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी और अपने तीसरे करियर ग्रैंड स्लैम फाइनल में जगह बनाने की कोशिश करेंगी।

भारतीय टीम क्यों घर पर लगातार हार रही टेस्ट सीरीज

राहुल द्रविड़ ने खोले सारे राज, बताया कहां हो रही गड़बड़

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम अक्टूबर 2024 से नवंबर 2025 के बीच दो टेस्ट सीरीज घर पर हार चुकी है. उसे न्यूजीलैंड ने 3-0 से मात दी तो साउथ अफ्रीका ने 2-0 से पीटा. इससे पहले 2012 से 2024 के बीच 12 साल तक भारत घर पर अजेय था.

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और हेड कोच राहुल द्रविड़ ने पिछले दो साल से घर पर टेस्ट सीरीज गंवाने के पीछे क्या कारण हैं. उनका कहना है कि खिलाड़ियों का तीनों फॉर्मेट खेलना, लाल गेंद के क्रिकेट की तैयारी के लिए पर्याप्त समय न मिलना और नतीजे निकालने वाली पिचें इसके पीछे की वजह हो सकती हैं. भारत ने 2012 से 2024 के बीच घर पर कोई भी टेस्ट सीरीज नहीं गंवाई थी. लेकिन गौतम गंभीर के हेड कोच रहते अक्टूबर 2024 से नवंबर 2025 के दौरान 12 महीनों में दो सीरीज में घर पर हार मिली. पहले न्यूजीलैंड ने 3-0 से धूल चटाई. फिर साउथ अफ्रीका ने 2-0 से पीट दिया. भारत की घर पर टेस्ट में लगातार नाकामी पर द्रविड़ ने कुछ अहम बातें बताईं. उन्होंने 27 जनवरी को बेंगलुरु में एक इवेंट में कहा, 'एक कोच के रूप में जो बात मुझे समझ आई कि जो खिलाड़ी तीनों फॉर्मेट खेलते हैं वे एक फॉर्मेट से दूसरे में लगातार सक्रिय रहते हैं. ऐसा देखा गया है कि हमारे पास टेस्ट मैच से पहले तीन से चार दिन का समय रहता है और तब हम टेस्ट की प्रैक्टिस शुरू करते हैं. फिर पलटकर देखने पर लगता है कि इन खिलाड़ियों ने इससे पहले आखिरी बार चार

या पांच महीने पहले लाल गेंद का सामना किया था. यह एक चुनौती है. टेस्ट मैच में स्पिन लेती पिच या सीम वाली पिच पर घंटों तक खेलना आसान नहीं होता है. इसके लिए काबिलियत चाहिए होती है.'

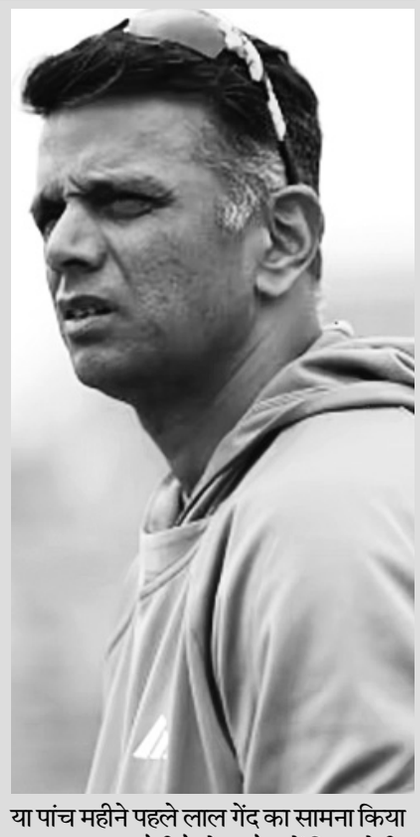

महिला प्रीमियर लीग

दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स पर लगा 12 लाख का जुर्माना

नई दिल्ली, एजेंसी। महिला प्रीमियर लीग 2026 में दिल्ली कैपिटल्स को मंगलवार को खेले गए मुकाबले में गुजरात जायंट्स के खिलाफ 3 रन से हार का सामना करना पड़ा था। हार के बाद दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान जेमिमा रोड्रिग्स की मुश्किलें और बढ़ गई हैं। जेमिमा पर धीमे ओवर रेट की वजह से 12 लाख का जुर्माना लगाया गया है। महिला प्रीमियर लीग की तरफ से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया कि यह जुर्माना लीग के कोड ऑफ कंडक्ट के तहत मिनिमम ओवर-रेट से जुड़े नियमों के उल्लंघन के कारण लगाया गया है। लीग ने यह भी स्पष्ट किया कि मौजूदा सीजन में यह जेमिमा रोड्रिग्स का पहला ओवर-रेट अपराध था। हार और जुर्माने का असर दिल्ली कैपिटल्स के पूरे अभियान पर साफ दिखाई दे रहा है। टीम 7 मैचों में छह अंकों के साथ अंक तालिका में चौथे स्थान पर खिसक गई है। नेट रन रेट -0.164 हो गया है। इससे प्लेऑफ में पहुंचने की उनकी राह कठिन हो गई है।

प्लेऑफ की संभावना को बनाए रखने के लिए दिल्ली को 1 फरवरी को यूपी वॉरियर्ज के खिलाफ होने वाले अपने आखिरी लीग मुकाबले में हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। गुजरात जायंट्स के खिलाफ मैच में दिल्ली की शुरुआत अच्छी नहीं रही थी, लेकिन स्नेह राणा और युवा बल्लेबाज निकी प्रसाद ने शानदार संघर्ष दिखाया। दोनों ने सातवें विकेट के लिए 70 रनों की अहम साझेदारी की, जिसने दिल्ली को मुकाबले में वापस ला दिया। राणा ने 15 गेंदों में 29 रन बनाए, जबकि प्रसाद ने सिर्फ 24 गेंदों पर 47 रनों की तूफानी पारी खेली। हालांकि, आखिरी ओवर में गुजरात की अनुभवी ऑलराउंडर सोफी डिवाइन ने बेहतरीन संयम दिखाया और सिर्फ नौ रन देकर दिल्ली की उम्मीदों पर पानी फेर दिया।

61वां शतक ठोक रूट ने रचा इतिहास

तोड़ दिया ब्रायन लारा का महारिकॉर्ड

नई दिल्ली, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में शतक लगाकर जो रूट ने कई रिकॉर्ड तोड़ डाले हैं. उन्होंने इस मुकाबले में 111 रनों की ऐतिहासिक पारी खेली. ये उनके वनडे करियर का 20वां और अंतर्राष्ट्रीय करियर में कुल 61वां शतक रहा. इसी बीच उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में खास कीर्तिमान बना दिया है. वो अब सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाजों की सूची में ब्रायन लारा को पीछे छोड़ आठवें नंबर पर आ गए हैं.

ब्रायन लारा को पीछे छोड़ा– श्रीलंका के खिलाफ 111 रनों की पारी खेलने के बाद जो रूट ने अपने अंतर्राष्ट्रीय करियर में 506 पारियों में बल्लेबाजी करके 22,413 रन बना लिए हैं. उन्होंने ब्रायन लारा को पीछे छोड़ा, जिन्होंने अपने इंटरनेशनल

करियर में 22,358 रन बनाए थे. रूट अपने शानदार करियर में अब तक 61 शतक और 116 फिफ्टी लगा चुके हैं.

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन

अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में अब केवल सचिन तेंदुलकर, विराट कोहली, कुमार संगाकारा, रिकी पोंटिंग, महेला जयवर्धने, जैक्स कैलिस और राहुल द्रविड़ ही उनसे आगे हैं.

- 34,357 रन – सचिन तेंदुलकर
- 28,215 रन – विराट कोहली
- 28,016 रन – कुमार संगाकारा
- 27,483 रन – रिकी पोंटिंग
- 25,957 रन – महेला जयवर्धने
- 25,534 रन – जैक्स कैलिस
- 24,208 रन – राहुल द्रविड़
- 22,413 रन – जो रूट

विराट कोहली से बहुत पीछे

जो रूट अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में 22 हजार से अधिक रन बना चुके हैं, लेकिन इस सूची में वो विराट कोहली से बहुत पीछे हैं. विराट टी20 और टेस्ट से संन्यास ले चुके हैं और अब सिर्फ ह्रष्टढ्ढ मैच ही खेलते हैं. विराट के नाम 626 पारियों में 28,215 रन हैं. एक तरफ रूट ने 61 शतक लगाए हैं, वहीं विराट के नाम तीनों फॉर्मेट में 85 शतक हैं. अकेले एकदिवसीय क्रिकेट में ही विराट 54 सेंचुरी लगा चुके हैं, जो विश्व में सबसे अधिक हैं.

श्रीलंका वर्सेस इंग्लैंड

श्रीलंका घर पर 5 साल बाद ओडीआई सीरीज हारा

इंग्लैंड को 3 साल में पहली बार बाहर मिली जीत

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड ने श्रीलंका को कोलंबो में 27 जनवरी को खेले गए आखिरी वनडे में हराकर तीन मैच की सीरीज 2-1 से अपने नाम की. इस नतीजे से दोनों ही टीमों के हालिया वनडे रिकॉर्ड पर अलग-अलग असर पड़ा. श्रीलंका को जहां पांच साल में पहली बार घर पर वनडे सीरीज में हार मिली थी. इंग्लैंड ने तीन साल बाद पहली बार घर से बाहर कोई वनडे सीरीज जीती. आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में कप्तान हैरी ब्रूक और जो रूट के शतकों से इंग्लिश टीम ने 357 रन का स्कोर बनाया. श्रीलंकाई टीम ने

मुकाबला अच्छा किया लेकिन 53 रन से हार मिली. उसकी तरफ से पवन रथनायके ने 121 रन की शतकीय पारी खेली. पहले बैटिंग करते हुए इंग्लैंड की तरफ से बल्लेबाजों की मददगार पिच पर आतिशी खेल देखने को मिला. ब्रूक ने पांचवें नंबर पर आकर 66 गेंद में 11 चौकों व नौ छक्कों से 136 रन बनाए. रूट ने शानदार फॉर्म जारी रखते हुए 108 गेंद में 111 रन की पारी खेली. जैकब बेथेल के बल्ले से 65 रन आए. श्रीलंका ने भी माकूल जवाब दिया. पथुम निसंका ने 25 गेंद में 50 रन उड़ा दिए तो बाकी बल्लेबाजों ने भी तेजी से रन जुटाए. इससे रनगति पकड़ में रही. मिडिल ऑर्डर में रथनायके ने खूंटा गाड़ दिया. उन्होंने वनडे करियर का पहला शतक लगाया. लेकिन दूसरी तरफ से विकेट लगातार गिरते रहे. नतीजा रहा कि श्रीलंकाई टीम 20 गेंद पहले ही सिमट गई. विकेट हाथ में रहते तो मैच जीता जा सकता था.

इंग्लैंड को मार्च 2023 के बाद घर से बाहर ओडीआई सीरीज में मिली जीत– इस नतीजे का असर यह हुआ कि इंग्लैंड ने सीरीज 2-1 से अपने नाम की. उसे पहले मैच में हार मिली थी लेकिन आखिरी दोनों वनडे जीतकर शानदार वापसी की. यह इंग्लैंड की मार्च 2023 में बांग्लादेश में वनडे सीरीज जीतने के बाद घर से बाहर पहली सफलता रही. इस दौरान उसे वर्ल्ड कप 2023, चैंपियंस ट्रॉफी 2025, भारत दौरे, न्यूजीलैंड दौरे पर पराजय झेलनी पड़ी. श्रीलंका को 5 साल पहले घर पर किसने हराया था. श्रीलंका का घर पर पर 2021 से वनडे में चला आ रहा दबदबा समाप्त हुआ. उसने 2021 में शिखर धवन की कप्तानी वाली भारतीय टीम के सामने सीरीज गंवाने के बाद से घर पर सारी वनडे सीरीज जीती. इस दौरान 2024 में भारत को भी मात दी थी.

न्यूज डायरी

एमसीएम में नशा मुक्ति जागरूकता हेतु नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। मेहर चंद महाजन डीएवी महिला महाविद्यालय के विक्ट्री अगेंस्ट ड्रग एब्यूज (वाडा) क्लब द्वारा 77वें गणतंत्र दिवस समारोह के अंतर्गत 'ड्रग एब्यूज : इट्स कंसीक्वेंसेज एंड प्रिवेंटिव मेजर्स' विषय पर नारा लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में 30 से अधिक छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया, जो समाज में बढ़ते नशे के खतरे के प्रति उनकी जागरूकता एवं चिंता को दर्शाता है।

यह प्रतियोगिता अंग्रेजी, हिंदी एवं पंजाबी भाषाओं में आयोजित की गई, जिससे छात्राओं को अपने विचारों को रचनात्मक एवं प्रभावशाली ढंग से व्यक्त करने का समावेशी मंच प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्राओं को नशीली दवाओं के सेवन के हानिकारक एवं अवैध प्रभावों के प्रति संवेदनशील बनाना था, जो व्यक्ति, परिवार तथा समाज पर व्यापक नकारात्मक प्रभाव डालते हैं। साथ ही, नशे की रोकथाम के उपायों के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान सुश्री गुरमंजोत कौर (बी.ए. प्रथम वर्ष) ने प्राप्त किया, जबकि द्वितीय स्थान सुश्री मनवीर कौर ने हासिल किया। तृतीय स्थान सुश्री सिमर रयात (बी.एससी. सीएसए प्रथम वर्ष) को प्राप्त हुआ, वहीं सांत्वना पुरस्कार सुश्री खुशी जोशी (बी.ए. प्रथम वर्ष) को प्रदान किया गया। विजेताओं को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।

कॉलेज की कार्यवाहक प्राचार्या श्रीमती नीना शर्मा ने विजेताओं को बधाई दी तथा कार्यक्रम के सफल आयोजन हेतु समन्वयकों के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने छात्राओं को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सावधान किया तथा स्वस्थ एवं नशामुक्त राष्ट्र निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका पर बल दिया।

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत सेन्सस असेसमेंट 2.0 में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 210 प्राथमिक विद्यालयों को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी ने लिखे प्रशंसा पत्र

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत दिसम्बर 2025 में हुई सेन्सस 2.0 में कुल 275 में से श्रेणी ए में आये सभी 210 उत्कृष्ट विद्यालयों को जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी पंचकूला सुमन चौधरी द्वारा डाक के माध्यम से प्रशंसा पत्र प्रेषित किये हैं | जिला पंचकूला में निपुण मिशन के नोडल अधिकारी व जिला ऍफ़ एल एन कोआर्डिनेटर असिन्द्र कुमार ने बताया कि जिला पंचकूलाकी यह अनूठी पहल है जिससे विद्यालयों को और बेहतर करने की प्रेरणा मिलेगी |

हाल ही में हुई सेन्सस में जिला पंचकूला के कुल 275 में से 210 विद्यालय श्रेणी ए में आये थे जिसमें खंड बरवाला के 47 में से 37, मोरनी के 63 में से 50, रायपुर रानी के 43 में 37 व खंड पिंजौर के 122 में से 86 विद्यालय श्रेणी ए में रहे थे |

पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के मुख्य न्यायधीश जस्टिस शील नागू ने आज चंडीगढ से वर्चुअल माध्यम से न्यू ज्यूडिशियल कोर्ट कॉपलेक्स कालका की आधारशीला रखी। इस अवसर पर जस्टिस पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट व चेयरमेन बिल्डिंग कमेटी हरियाणा हरसीमरन सिंह सेठी और पंजाब एंड हरियाणा हाई कोर्ट के जस्टिस एवं पंचकूला सैशन डिविजन के एडमिस्ट्रेटिव जज संजीव बेरी ने सैक्टर-27 पिंजौर में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित हुए और विधिवत रूप से न्यू ज्यूडिशियल कोर्ट कॉपलेक्स कालका की आधारशीला रखी। इस अवसर पर उन्होने पौधारोपण भी किया।

समाज सुधार में संत समाज का अहम योगदान-कुलभूषण गोयल

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। पूर्व महापौर कुलभूषण गोयल ने कहा कि समाज के नैतिक, आध्यात्मिक और सामाजिक उत्थान में संत समाज की भूमिका सदैव मार्गदर्शक रही है। संतों की शिक्षाएं मानवता, सेवा, सद्भाव और अनुशासन का संदेश देती हैं, जो आज के समय में और भी अधिक प्रासंगिक हो गई हैं।

यह विचार उन्होंने श्री श्री 108 तपोनिष्ठ अग्निहोत्री संपूर्णानंद ब्रह्मचारी से भेंट कर आशीर्वाद प्राप्त करने के उपरांत व्यक्त किए। कुलभूषण गोयल ने कहा कि संत समाज केवल धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज को सही दिशा देने, संस्कारों को मजबूत करने और सकारात्मक सोच विकसित करने में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। उन्होंने कहा कि संतों के सान्निध्य से व्यक्ति में सेवा भाव जागृत होता है और समाज में आपसी भाईचारे, शांति और सौहार्द की भावना मजबूत होती है। आज जब समाज अनेक सामाजिक चुनौतियों से जूझ रहा है, ऐसे समय में संतों के विचार और मार्गदर्शन समाज को नई दिशा प्रदान कर सकते हैं।

मदन मदहोश एनवाईसीएस की चण्डीगढ़ शाखा के निदेशक नियुक्त

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। : समाजसेवी मदन मदहोश को नेशनल युवा कोआपरेटिव सोसायटी (एनवाईसीएस) की चण्डीगढ़ शाखा का निदेशक नियुक्त किया गया है। उक्त जानकारी देते हुए राष्ट्रीय युवा सहकारी समिति के राष्ट्रीय निदेशक व चंडीगढ़ शाखा के चेयरमैन देविंद्र सिंह ने बताया कि मदन मदहोश की लम्बे समय से समाजिक गतिविधियों को देखते हुए उक्त नियुक्ति की गई है। देविंद्र सिंह ने संस्था के बारे में जानकारी देते बताया कि वर्ष 1999 में आपनी स्थापना के बाद से ही एनवाईसीएस ने पूरे भारत में युवा उद्यमियों के विकास और पोषण पर ध्यान केंद्रित किया है और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय द्वारा अनुशंसित और समर्पित 18 से 29 वर्ष की आयु वर्ग के क्षमता का दोहन करने के लिए एक स्वयंसेवा योजना भी शुरू की हुई है। नेशनल युवा कोऑपरेटिव सोसायटी एक राज्यीय बहुउद्देशीय युवा सहकारी समिति है। इस नियुक्ति पर खुशी का जताते हुए सुनील गोयल (डिंपल) प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, पंजाब भाजपा, जगत कथूरिया, पूर्व उप चेयरमैन, खादी बोर्ड, पंजाब व जिला अध्यक्ष, भारतीय जनता पार्टी, जिला मलेरकोटला, मालती सिंगला पार्षद, सतदेव गर्ग (विक्की) डायरेक्टर, सलोनी गोयल, प्रदेश सदस्य, संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार समिति, पंजाब ने देविंद्र सिंह का तहेदिल से धन्यवाद किया और नवनियुक्त डायरेक्टर मदन मदहोश, जो मलेरकोटला के पूर्व पार्षद व वरिष्ठ पत्रकार भी हैं, को बधाई देते हुए आशा जताई कि मदन मदहोश अपनी जिम्मेदारी को पूर्ण तनदेही से निभाएंगे।

माता मनसा देवी मंदिर को आस्था के साथ-साथ आकर्षण का केंद्र भी बनाया जाए: विपुल गोयल

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड, पंचकूला की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की

- विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा, तय समय-सीमा में कार्य पूर्ण करने के निर्देश
- मंदिर परिसर व आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। : हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल ने आज पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड, पंचकूला की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में उन्होंने माता मनसा देवी मंदिर परिसर में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की।

श्री विपुल गोयल ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आधुनिक वास्तुकला का प्रयोग करते हुए माता मनसा देवी मंदिर को आस्था के केंद्र के साथ-साथ एक प्रमुख पर्यटन एवं आकर्षण केंद्र के रूप में भी विकसित किया जाए, ताकि देश के कोने-कोने से आने वाले श्रद्धालुओं को एक सुखद और दिव्य अनुभव प्राप्त हो।

बैठक के दौरान उन्होंने पूजास्थल बोर्ड द्वारा संचालित विकास कार्यों की एक-एक कर समीक्षा की तथा सभी कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को शीघ्र लाभ मिल सके। उन्होंने कहा कि पूजास्थल बोर्ड और संबंधित विभाग आपसी समन्वय से कार्य करें, जिससे परियोजनाओं को तीव्र गति से पूरा किया जा सके।

श्री विपुल गोयल ने मंदिर परिसर में प्रस्तावित हनुमान वाटिका की प्रगति की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि इसे इस प्रकार विकसित किया जाए कि देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु एवं पर्यटक इसे देखने के लिए पंचकूला आएं। उन्होंने भूमि सर्वेक्षण कर आगामी 20 फरवरी तक थ्री-डी मैप सहित परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिए। हनुमान वाटिका का निर्माण कार्य हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त, उन्होंने पशुपतिनाथ मंदिर के निर्माण की स्थिति की जानकारी भी ली। अधिकारियों ने बताया कि इसके लिए वास्तुकला विभाग द्वारा नक्शे और डिजाइन तैयार करने का कार्य प्रगति पर है।

राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री ने मंदिर परिसर में स्वच्छता सुनिश्चित करने पर विशेष बल दिया। उन्होंने निर्देश दिए कि एक विशेष स्वच्छता अभियान चलाकर मंदिर परिसर एवं आसपास के क्षेत्र की नियमित साफ-सफाई की जाए। साथ ही, सभी पुरुष एवं महिला शौचालयों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं को स्वच्छ सुविधाएं उपलब्ध हो सकें।

बैठक में जानकारी दी गई कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल परिसर में संस्कृत गुरुकुल का निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है, जहां सभी विद्यार्थियों को समान नियम एवं शर्तों के अंतर्गत प्रवेश दिया जा रहा है। मुख्य मंदिर में संरचनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं भित्ति चित्रों के संरक्षण हेतु लोक निर्माण विभाग, पंचकूला द्वारा 77.74 लाख रुपये का प्रस्ताव भेजा गया था, जिसमें से 38.87 लाख रुपये का भुगतान किया जा चुका है। आगामी सप्ताह में इस कार्य का टेंडर जारी किया जाएगा।

कैबिनेट मंत्री को अवगत कराया गया कि मुख्य मंदिर के लिए अतिरिक्त प्रवेश द्वार का निर्माण कार्य हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा किया जा रहा है, जो प्रगति पर है। निर्माणाधीन प्रवेश गलियारे में स्वचालित सीढ़ियां (एस्कलेटर) लगाने का भी निर्णय लिया गया है।

इसके अतिरिक्त, गुरुकुल के सामने एक पुस्तकालय भवन का निर्माण किया जाएगा, जिसमें धार्मिक पुस्तकों की भी व्यवस्था होगी। इस भवन के नक्शे तैयार किए जा चुके हैं। साथ ही, मंदिर परिसर में मनसा भवन का निर्माण भी हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण द्वारा किया जाएगा।

पंचकूला में अवैध अतिक्रमण पर सख्ती, कैबिनेट मंत्री विपुल गोयल ने दिए त्वरित कार्रवाई के निर्देश

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। हरियाणा के राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री विपुल गोयल ने सेक्टर-6 में अवैध अतिक्रमण की समस्या का संज्ञान लेते हुए नगर निगम अधिकारियों को प्राथमिकता के आधार पर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि पंचकूला में किसी भी प्रकार का अतिक्रमण बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री विपुल गोयल आज सेक्टर-1 स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह में आयोजित जिला लोक संपर्क एवं कष्ट निवारण समिति, पंचकूला की बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे।

बैठक के दौरान राजस्व मंत्री ने विभिन्न विषयों से संबंधित 6 शिकायतों को सुना, जिनमें से अधिकांश का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। शेष शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

सेक्टर-6 के एक निवासी ने एमसी पार्क नंबर 606 में लंबे समय से अवैध अतिक्रमण की शिकायत रखी। इस पर संज्ञान लेते हुए मंत्री ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पार्क से अवैध अतिक्रमण तुरंत हटाया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि जिन निवासियों ने अपने घरों के पीछे गेट खोलकर अतिक्रमण किया है, उन्हें तत्काल बंद करवाया जाए।

सेक्टर-25, पंचकूला के निवासियों ने शिकायत में बताया कि गांव झुरीवाला में लंबे समय से कचरा पड़े रहने के कारण दुर्गंध फैल रही है और पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। इस पर मंत्री ने नगर निगम अधिकारियों को प्रतिदिन कचरा उठवाने तथा लिगेसी वेस्ट को शीघ्र साफ करवाने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त उन्होंने गांव अलीपुर में मैटेरियल रिकवरी फैसिलिटी (एमआरएफ) शुरू करने के लिए प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड से एनओसी प्राप्त करने हेतु सभी आवश्यक औपचारिकताएं जल्द पूरी करने के निर्देश दिए।

सड़क सुरक्षा माह-2026: आरटीए पंचकूला ने बांटी रिफ्लेक्टर जैकेट, नागरिकों को किया यातायात नियमों के प्रति जागरूक

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। परिवहन आयुक्त, हरियाणा चंडीगढ के आदेशानुसार आरटीए पंचकुला के अधिकारियों द्वारा जिला पंचकूला के विभिन्न स्थानों पर पहुंचकर दैनिक मजदूरो और आम नागरिकों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया तथा सड़क हादसों को रोकने के लिए रिफ्लेक्टर जैकेट वितरित की।

सड़क दुर्घटनाएँ एक गंभीर समस्या हैं, और इनकी बढ़ती संख्या के कई कारण हैं। इनमें खराब सड़क स्थिति, लापरवाही से वाहन चलाना और अपर्याप्त सड़क सुरक्षा उपाय शामिल हैं।

रिफ्लैक्टर सुरक्षा जैकेट दृश्यता बढ़ाकर और दुर्घटनाओं का जोखिम कम करके इस समस्या को हल करने में सहायक हैं। परावर्तक सुरक्षा जैकेट का प्राथमिक कार्य दृश्यता बढ़ाना और इस प्रकार दुर्घटनाओं के जोखिम को कम करना है। जब कोई व्यक्ति परावर्तक सुरक्षा जैकेट पहनता है, तो वह चालकों को अधिक स्पष्ट रूप से दिखाई देता है ।

आरटीए पंचकुला के अधिकारियों ने बताया कि सड़क सुरक्षा माह-2026 के अंतर्गत जिले के विभिन्न सार्वजनिक स्थलों पर इस प्रकार के जागरूकता कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जा रहे हैं, जिससे सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सके।

नए लोगों को भाजपा में शामिल करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने प्रदेश व जिला स्तरीय समितियों का किया गठन, लिस्ट जारी

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। पंचकूला में हुई प्रदेश स्तरीय संगठनात्मक बैठक में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए और नियुक्तियां की गई। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने पार्टी ज्वाइनिंग समिति की प्रदेश एवं जिला समितियों की नियुक्ति की है। ये समिति प्रदेश एवं जिला स्तर पर पार्टी नए लोगों को ज्वाइनिंग कराएगी। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने स्पष्ट कर दिया कि अब भाजपा ज्वॉइन करने के इच्छुक लोगों को कमेटी की कसौटी पर खरा उतरना होगा। बैठक में पीएम मोदी के लोकप्रिय मन की बात कार्यक्रम के लिए प्रदेश समिति का गठन किया गया साथ ही लोकसभा संयोजकों की नियुक्ति प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने की है।

भाजपा प्रदेश कार्यालय पंचकमल पंचकूला में हुई संगठनात्मक बैठक में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, प्रदेश प्रभारी डा. सतीश पूनिया, प्रदेश अध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली, संगठन मंत्री फणीन्द्रनाथ शर्मा, प्रदेश महामंत्री कृष्ण बेदी, सुरेंद्र पुनिया आदि नेताओं ने आपसी चर्चा के बाद समितियों की लिस्ट जारी की।

मोहन लाल बड़ौली ने पार्टी ज्वाइनिंग के लिए चार सदस्यीय प्रदेश समिति का गठन किया है जिसमें संसदीय बोर्ड की सदस्य डा. सुधा यादव, मंत्री कृष्ण बेदी, पूर्व मंत्री कंवरपाल गुर्जर, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा को शामिल किया गया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने जिला समिति में पंचकूला के लिए जिला प्रभारी रवि बतान, पूर्व जिला अध्यक्ष अजय शर्मा को नियुक्त किया है। अंबाला जिला के लिए जिला अध्यक्ष मंदीप राणा, जिला प्रभारी धर्मबीर मिर्जापुर, पूर्व जिला अध्यक्ष राजेश बतौरा वहीं यमुनानगर जिला के लिए जिला अध्यक्ष राजेश सपरा, जिला प्रभारी वेदपाल एडवोकेट, पूर्व चेयरमैन रोजी मलिक आनंद को जिम्मेदारी दी है।

श्री बड़ौली ने कुरूक्षेत्र जिला में जिला अध्यक्ष सरदार तेजेन्द्र गोल्डी, जिला प्रभारी दीपक शर्मा, पूर्व जिला अध्यक्ष राजकुमार सैनी, वहीं कैथल जिला में जिला अध्यक्ष ज्योति सैनी, जिला प्रभारी अमरपाल राणा, पूर्व जिला अध्यक्ष मुनीश कठवाड़ तथा करनाल जिला में जिला अध्यक्ष प्रवीन लाठर, जिला प्रभारी भारत भूषण, पूर्व जिला अध्यक्ष बृजभूषण गुप्ता लोगों को पार्टी ज्वाइनिंग कराएंगे।

मोहन लाल बड़ौली ने पानीपत जिला में जिला अध्यक्ष दुष्यंत भट्ट, जिला प्रभारी अशोक गुर्जर, पूर्व जिला अध्यक्ष लोकेश नागरू को जिम्मेदारी। सोनीपत जिला में जिला अध्यक्ष अशोक भारद्वाज, जिला प्रभारी सतीश नांदल, प्रदेश प्रमुख चुनाव आयोग ललित बतरा, वहीं गोहाना जिला में जिला अध्यक्ष बिजेन्द्र मलिक, जिला प्रभारी डा. किरण कलकल, पूर्व जिला महामंत्री बलराम कौशिक को जिम्मेदारी दी है। श्री बड़ौली ने जींद जिला में जिला अध्यक्ष तेजेन्द्र ढूल, जिला प्रभारी मदन गोयल और प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य रिछपाल शर्मा को नियुक्त किया है। रोहतक जिला में जिला अध्यक्ष रणबीर ढाका, जिला प्रभारी सतेन्द्र परमार, पूर्व डिप्टी मेयर राजकमल सहगल को दायित्व दिया है।

श्री बड़ौली ने झज्जर जिला में जिला अध्यक्ष विकास वाल्मिकी, जिला प्रभारी कैप्टन भूपेंद्र और पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल जांगड़ा को पार्टी ज्वाइन कराने का दायित्व सौंपा है। उन्होंने डबवाली जिला के लिए जिला अध्यक्ष रेणू शर्मा, जिला प्रभारी मुकेश गौड़, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य बलदेव सिंह मांगियाना तथा सिरसा जिला में जिला अध्यक्ष यतेन्द्र सिंह एडवोकेट, जिला प्रभारी वेदफूला और पूर्व जिला अध्यक्ष शीशपाल कम्बोज को जिम्मेदारी दी है। हांसी जिला के लिए जिला अध्यक्ष अशोक सैनी, जिला प्रभारी सुनीता दांगी, पूर्व जिला अध्यक्ष राजपाल यादव को नियुक्त किया है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने हिसार जिला में जिला अध्यक्ष आशा खेदड़, जिला प्रभारी जवाहर सैनी, प्रदेश प्रमुख डाक्यूमेंटेशन प्रवीन जैन तथा फतेहाबाद जिला के लिए जिला अध्यक्ष प्रवीन जोड़ा, जिला प्रभारी सुरेंद्र आर्य और पूर्व जिला अध्यक्ष बलदेव ग्रोहा को नियुक्त किया है। भिवानी जिला में जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक, जिला प्रभारी रेनू डाबला, पूर्व प्रदेश महामंत्री महिला मोर्चा मीणा परमार को नियुक्त किया है। दादरी जिला में जिला अध्यक्ष इंजीनियर सुनील, जिला प्रभारी महेश चौहान, पूर्व जिला अध्यक्ष रामकिशन शर्मा तथा रेवाड़ी जिला में जिला अध्यक्ष वंदना पोपली, जिला प्रभारी नसीम अहमद , पूर्व जिला अध्यक्ष सतीश खोला को पार्टी ज्वाइनिंग की जिम्मेदारी दी है।

श्री बड़ौली ने महेंद्रगढ़ जिला में जिला अध्यक्ष यतेन्द्र राव, जिला प्रभारी शंकर घुप्पड़, पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा, गुरुग्राम जिला के लिए जिला अध्यक्ष सर्वप्रिय त्यागी, जिला प्रभारी संदीप जोशी, पूर्व प्रदेश सचिव मनीष यादव को दायित्व दिया है।

चौपालें ग्रामीण समाज की रीढ़ : मोहन लाल बड़ौली

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने सोनीपत के गांव मातण्ड में महिला एवं ब्राह्मण चौपाल का किया विधिवत उद्घाटन

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने बुधवार को सोनीपत के मातण्ड गांव में महिला चौपाल और ब्राह्मण चौपाल का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में श्री बड़ौली ने कहा कि चौपालें ग्रामीण समाज की रीढ़ होती हैं, जहां संवाद, विचार-विमर्श और सामाजिक एकता को बढ़ावा मिलता है। उन्होंने कहा कि महिला चौपाल महिलाओं को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, वहीं ब्राह्मण चौपाल सामाजिक परंपराओं और संस्कारों को सहेजने का कार्य करेगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि ये चौपालें संवाद और निर्णय का केंद्र बनेगी, बल्कि गांव के सामूहिक विकास, जनसहभागिता और सामाजिक एकता का प्रतीक भी होगी। उन्होंने कहा कि इन चौपालों का उपयोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों और अन्य सामाजिक आयोजनों के लिए किया जा सकेगा तथा आपसी सहयोग की भावना और भी प्रबल होगी।

श्री बड़ौली ने कहा कि हरियाणा की नायब सैनी सरकार बिना भेदभाव किए प्रदेश में विकास के कार्य करा रही है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में

भाजपा सरकार महिलाओं को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए लगातार काम कर रही है। नायब सैनी सरकार महिला स्वावलंबन पर विशेष जोर दे रही है। लाडो लक्ष्मी योजना, लखपति दीदी, ड्रोन दीदी जैसी कई योजनाओं से महिलाएं सशक्त और आत्मनिर्भर हो रही हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि केंद्र व नायब सैनी सरकार की जन-हितैषी नीतियां अब गांवों तक पहुंच रही हैं, जिससे "आत्मनिर्भर भारत" और "सशक्त ग्राम" का सपना साकार हो रहा है। युवाओं को बिना पर्ची और बिना खर्ची के रोजगार मिल रहा है। गरीब महिलाओं को 500 रुपये में गैस सिलेंडर दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार ने जनकल्याणकारी योजनाओं के जरिए लोगों के जीवन को सरल बनाने का काम किया है।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बृजेंद्र मलिक, बरोदा से भाजपा प्रत्याशी रहे प्रदीप सागवान, सरपंच राजेश (राजू शर्मा) सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण, महिला प्रतिनिधि, भाजपा सोनीपत परिवार के कार्यकर्ता एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बड़ौली ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर जताया दुख

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंडित मोहन लाल बड़ौली ने महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री अजित पवार के विमान दुर्घटना में हुए आकस्मिक निधन को अत्यंत दुःखद एवं हृदयविदारक बताया। श्री बड़ौली ने कहा कि भाजपा हरियाणा परिवार इस कठिन एवं पीड़ादायक समय में स्वर्गीय अजित पंवार के परिवारजनों, निकट संबंधियों एवं समर्थकों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता है।

छूटी हुई पढ़ाई से नई उड़ान तक: शिक्षा में मनोज शुक्ला का प्रेरणादायी योगदान

हिन्द जनपथ
चंडीगढ़ (ब्यूरो)। शिक्षा समाज की रीढ़ है, लेकिन कई बार परिस्थितियों के कारण अनेक बच्चों की पढ़ाई 9वीं, 10वीं या 11वीं कक्षा में ही छूट जाती है। ऐसे बच्चों के लिए दोबारा शिक्षा की राह पर लौटना आसान नहीं होता। इसी चुनौती को अवसर में बदलने का कार्य श्री मनोज शुक्ला निरंतर करते आ रहे हैं।

श्री मनोज शुक्ला उन विद्यार्थियों को विशेष रूप से प्रोत्साहित करते हैं जिनकी पढ़ाई किसी कारणवश बीच में रुक गई हो। वे ऐसे बच्चों को ओपन स्कूल प्रणाली के माध्यम से 10वीं और 12वीं कक्षा में पुनः अध्ययन करने के लिए मार्गदर्शन, प्रेरणा और शिक्षण सहयोग प्रदान करते हैं। उनका प्रयास केवल परीक्षा पास करवाने तक सीमित नहीं है, बल्कि बच्चों में आत्मविश्वास, अनुशासन और आगे बढ़ने की सोच विकसित करना भी उनका उद्देश्य है।

उनकी मेहनत और समर्पण का परिणाम यह है कि अनेक छात्र-छात्राएं अच्छे अंकों के साथ 10वीं व 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण कर आज समाज की मुख्यधारा में आत्मसम्मान के साथ खड़े हैं। शिक्षा के इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए चंडीगढ़ के माननीय गवर्नर एवं यूटी प्रशासक श्री गुलाबचंद कटारिया द्वारा श्री मनोज शुक्ला को सम्मानित किया गया।

प्रकृति की रक्षा कानूनी एवं सामाजिक दोनों रूप से आवश्यक- नवदीप सिंह विर्क

हिन्द जनपथ
पंचकूला (ब्यूरो)। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक श्री नवदीप सिंह विर्क ने डायल 112 भवन में दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर ए डी जी पी श्री नवदीप सिंह विर्क ने कहा कि प्रकृति की रक्षा के लिए सिर्फ कानूनी ही नहीं बल्कि सामाजिक दायित्व का निर्वहन करना होगा। उन्होने कहा कि हरियाणा एक ऐसा राज्य है जिसके एक तरफ प्राचीनतम पहाड़ी अरावली है तो वहीं दूसरी तरफ शिवालिक है। इसलिए इन दोनो के मध्य में बसे हरियाणा के नागरिक समाज को शुद्ध हवा और पानी की जरूरत को पूरा करने के लिए हमें निरंतर प्रयास करना होगा। उन्होने कहा कि साईबर युग में अनुसंधान कार्यों में तकनीक का प्रयोग ना सिर्फ समय की बचत है बल्कि त्वरित न्याय की गारंटी है। उन्होने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो का गठन एक महत्वाकांक्षी पहल है और इसको आधुनिक बनाने के लिए सभी थानों में कम्प्यूटर उपलब्ध कराया गया है। शीघ्र ही सभी आई ओ को टैब देने का भी प्रस्ताव है। उन्होने

- अनुसंधान कार्यों में तकनीक के प्रयोग का समय है- ए डी जी पी
- ई साक्ष्य से अनुसंधान कार्य में आई सुगमता- नवदीप सिंह विर्क
- दो दिवसीय राज्य स्तरीय प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन अवसर पर बोले ए डी जी पी

यह भी कहा कि अनुसंधान कार्यों में नई तकनीक का प्रयोग बढ़ाना होगा।

स्वागत करते हुए पुलिस महानिरीक्षक कुलदीप सिंह ने कहा कि 26 जून 2022 को हरियाणा राज्य प्रवर्तन ब्यूरो का गठन किया गया। जिसके अंतर्गत हरियाणा के 22 जिलों में प्रवर्तन ब्यूरो के 22 थाने कार्यरत हैं। गठन के समय से ही यह ब्यूरो हरियाणा

राज्य को प्राकृतिक संसाधनों के समेकेतिक प्रयोग के साथ प्रकृति संरक्षण के लिए समाज को व्यापक रूप से जागृत कर रहा है।

धन्यवाद ज्ञापन करते हुए ए डी जी पी डायल 112 हरदीप सिंह दून ने कहा कि यह प्रशिक्षण शिविर पुलिस विभाग को नई दृष्टि देने का एक प्रयास है। उन्होने कहा कि प्रवर्तन ब्यूरो नियमित रूप से अपने सघन अभियानो से महत्वपूर्ण कार्य कर रहा है।

प्रशिक्षण शिविर में पहले दिन तीन विशेषज्ञ हुए रूबरू। भारतीय वन सेवा के वरिष्ठ अधिकारी विपिन कुमार सिंह ने कहा कि कानून की जवाबदेही से प्रकृति के अधिकार पर संवाद का समय आ गया है। उन्होने कोविड-19 के संक्रमण काल का संदर्भ याद दिलाते हुए कहा कि हम सबने देखा कि जीवन रक्षा की संजीवनी प्रकृति की गोद में ही है।

उप जिला न्यायवादी प्रवीण कुमार ने कहा कि तेजी से बढ़ता शहरीकरण कानून के अनुरूप होना चाहिए। प्रवर्तन ब्यूरो का दायित्व है कि हम सरकार के नियमों की अनदेखी ना होने दे।

पुलिस विकास एवं अनुसंधान ब्यूरो चण्डीगढ़ से आए दीपक बजाज ने कहा कि पुलिस आधुनिकीकरण की रफतार बढ़ी है। नए भारतीय कानूनों को लागू करने में हरियाणा पुलिस ने अग्रणी भूमिका निभाई है। अब प्रवर्तन ब्यूरो के माध्यम से हरियाणा पुलिस का नया रूप सामने आया है।

दोपहर बाद मानसिक चिकित्सा प्रशिक्षण शिविर में डॉ. लिजू ने मानसिक स्वास्थ्य को पुलिस अधिकारियों कर्मचारियों के लिए अनिवार्य बताया। उन्होने कहा कि तेजी से बदलती दुनिया में बढ़ते आपराधिक प्रवृति की वजह से निरंतर कार्य का दबाव बढ़ता जा रहा है। इसलिए पुलिस बल के सभी सदस्यों का स्वस्थ एवं तनावमुक्त रहना महत्ती आवश्यकता है।